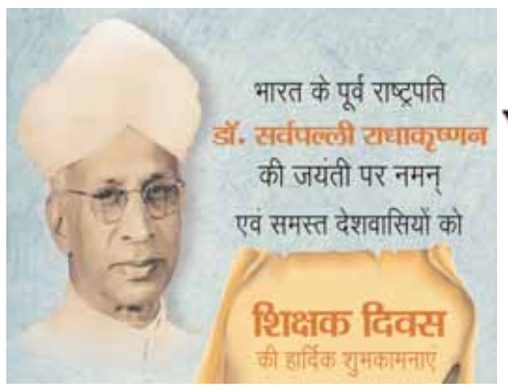

आई.एस.ओ.9001.2000 अवाई प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

वर्ष- 15 अंक 213- जबलपुर शनिवार, 5 सितबर, 2021 मूल्य- 2 रुपए पृष्ठ-8 भाद्रपद कृष्ण पक्ष -13 विक्रम संवत् 2078 शके 1935

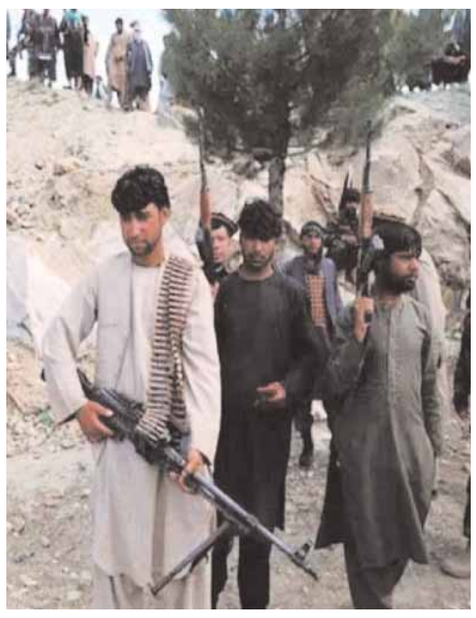

सत्ता के लिए आपस में भिड़े तालिबानी

तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच गोलीबारी में मुल्ला बरादर घायल

काबुल। तालिबान ने बंदूक के दम पर अफगानिस्तान पर कब्जा तो कर लिया, लेकिन अब सरकार नहीं बना पा रहा है। ताजा खबर यह है कि सत्ता को लेकर अब वहां तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच संघर्ष शुरू हो गया है। अफगानिस्तान के अखबार पंजशीर ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों गुटों के बीच गोलीबारी होने लगी है। ऐसे ही एक घटनाक्रम में तालिबान का को-फाउंडर मुल्ला बरादर घायल हो गया है। हालांकि सत्ता के लिए खूनी संघर्ष की कहीं पुष्टि नहीं हुई है। बता दें, मुल्ला बरादर चाहता है कि वह सभी पक्षों को शामिल करते हुए सरकार का गठन करे, लेकिन हक्कानी नेटवर्क ऐसी किसी साझेदारी के खिलाफ है।सिराजुद्दीन के नेतृत्व में हक्कानी और उसके आतंकवादी समूह किसी के साथ सत्ता साझा नहीं करना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि हक्कानी को पाकिस्तान का मौन समर्थन हासिल है। हक्कानी इस्लामिक नियमों पर आधारित एक शुद्ध तालिबान सरकार के पक्ष में हैं। तालिबान और हक्कानी नेटवर्क की इसी खींचतान के कारण अफगानिस्तान में सरकार नहीं बन पा रहा है। तालिबान और मुल्ला बरादर के लिए मुश्किल है, क्योंकि दोहा में उन्होंने जिन देशों के साथ वार्ता की है, उनसे यही कहा है कि वे सभी पक्ष को मिलाकर सरकार बनाएंगे। तालिबान भले ही कह रहा हो कि वह ईरान की तर्ज पर शासन चलाएगा, लेकिन ईरान के राष्ट्रपति ने अपने ताजा बयान में तालिबान को तगड़ा झटका दिया है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने अफगानिस्तान में चुनाव का आह्वान किया है। रायसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अफगानिस्तान में शांति लौटेगी क्योंकि अमेरिकी सैनिक चले गए हैं और तालिबान ने नियंत्रण कर लिया है। अफगानिस्तान के लोगों को जल्द से जल्द अपनी सरकार निर्धारित करने के लिए मतदान करना चाहिए। वहां एक सरकार बनाई जानी चाहिए जो वोटों और लोगों की इच्छा से चुनी गई हो।

पंजशीर में संघर्ष, 600 तालिबानियों की मौत

तालिबान और अफगान प्रतिरोधी मोर्चे के बीच जारी संघर्ष में 600 से ज्यादा तालिबानी लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है। न्यूज एजेंसी स्पुतनिक के मुताबिक प्रतिरोधी मोर्चे के प्रवक्ता फहीम दश्ती ने ट्वीट किया है कि उनके लड़ाकों ने 600 से ज्यादा तालिबानी मार तो गिराए ही हैं। एक हजार से ज्यादा ने आत्मसमर्पण भी कर दिया है। यह लड़ाई शनिवार की बताई जा रही है। एक तरफ अफगान प्रतिरोधी मोर्चे ने 600 तालिबानियों को मार गिराने का दावा किया है तो दूसरी ओर तालिबान का कहना है कि उसने पंजशीर प्रांत के सात में से चार जिलों पर कब्जा जमा लिया है। अल जजीरा के मुताबिक, तालिबान के एक नेता का कहना है कि हमारी लड़ाई जारी थी और लड़ाके गवर्नर हाउस की ओर से बढ़ रहे थे, रास्ते में बारूदी सुरंगों के कारण लड़ाई धीमी पड़ी।

केरल में एक और खतरा निपाह

तिरूअनंतपुरम । केरल में एक ओर कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। वहीं, दूसरी ओर निपाह वायरस भी पैर पसार रहा है। कोझीकोड में आज तड़के निपाह वायरस से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। 3 सिंतबर को बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रही थी। शनिवार को बच्चे को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में दाखिल कराया गया। रविवार सुबह पांच बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया ।वहीं, निपाह वायरस से बच्चे की मौत के बाद केंद्र की एक टीम कोझीकोड पहुंच गई है। पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने निपाह वायरस से बच्चे की मौत की पुष्टि की है। इंस्टीट्यूट ने बताया कि बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि 12 वर्षीय लड़के को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर एक मेडिकल कॉलेज लाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

केंद्रीय टीम संक्रमण के मामलों की करेगी तलाश

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह दल राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। केंद्र ने कुछ तात्कालिक लोक स्वास्थ्य कदम उठाने का परामर्श दिया है जिसमें पीड़ित लड़के के परिवार, अन्य परिवारों, गांव एवं आसपास की स्थिति वाले इलाकों खासकर मल्लापुरम में संक्रमण के मामलों की तलाश करेगी। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि बच्चे के अलावा परिवार के किसी सदस्यों में ऐसा लक्षण नहीं पाया गया है। फिलहाल सभी को क्वारंटाइन में रहने को कहा गया है। इसी सिलसिले में मैं और मंत्री पीए मोहम्मद रियास रविवार को कोझीकोड जा रहे हैं।

कृष्णा ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण, कलेक्टर सुहास ने रचा इतिहास

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। पुरुष सिंगल्स बैडमिंटन स्पर्धा एसएल-4 में उन्होंने रजत पदक जीतकर देश का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। फाइनल में उनका मुकाबला फ्रांस के खिलाड़ी लुकास माजुर के साथ था, जिसमें लुकास ने 2-1 से जीत हासिल की। सुहास की जीत से देश भर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। खासकर नोएडा के लोगों में विशेष प्रसन्नता देखी जा सकती है।

पैरालंपिक में पदक वर्षा

नई दिल्ली। भारत के कृष्णा नागर ने टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष सिंगल्स बैडमिंटन स्पर्धा एसएच-6 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में हांगकांग के खिलाड़ी काई मैन चु को 2-1 से शिकस्त दी। जयपुर के 22 साल के नागर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-17 16-21 21-17 से शिकस्त दी। इस तरह यह दूसरा वरीय खिलाड़ी बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने की सूची में हमवतन प्रमोद भगत के साथ शामिल हो गया। भगत ने शनिवार को एसएल3 क्लास में पहला स्वर्ण पदक जीता था।

कृष्णा नागर भारत को पांचवां स्वर्ण पदक जिताने में सफल रहे। इसके साथ ही टोक्यो पैरालंपिक में भारत के कुल पदकों की संख्या 19 हो गई। कृष्णा नागर की जीत पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर बधाई दी है। राष्ट्रपति ने लिखा है कि कृष्णा नागर का ऐतिहासिक प्रदर्शन। आपने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी योग्यता को साबित किया और पैरालंपिक में तिरंगे का मान बढ़ाया है। लाखों भारतीयों के लिए आप प्रेरणा हैं, जीत की बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कृष्णा नागर की जीत पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है- टोक्यो पैरालंपिक में बैडमिंडन खिलाड़ियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन देखकर खुश हूं। करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर खुशी लाने के लिए यह असाधारण कदम है। स्वर्ण पदक जीतने के लिए आपको बधाई।

मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत, जुटे हजारों टिकैत बोले-भाजपा नहीं मोदी सरकार का विरोध

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत का आयोजन हो रहा है। हजारों की संख्या में किसान पहुंच चुके हैं। बड़ी तादाद में महिलाएं भी पहुंची हैं। उनकी मांग है कि केंद्र सरकार को तीनों काले कृषि कानून वापस लेना चाहिए। इससे पहले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा है कि यह महापंचायत ऐतिहासिक होगी। महापंचायत में शामिल होने के लिए आने वाले किसानों के स्वागत में 600 लंगर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही 20 से 25 मेडिकल कैंप भी लगाए गए हैं। किसान पिछले 9 महीनों से दिल्ली की सीमा पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकैत ने शनिवार को अपने ट्विटर अकाउंट से इसकी जानकारी देते हुए एक ट्वीट किया था और ज्यादा से ज्यादा लोगों से किसान महापंचायत में शामिल होने की अपील की थी। टिकैत ने लिखा था मुजफ्फरनगर में 5 सितंबर की किसान महापंचायत ऐतिहासिक होगी ।टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बल्कि मोदी सरकार कहा जाए तो बेहतर होगा। इस सरकार ने जो तीन तीन कृषि कानून बनाए हैं वो किसानों के हित में नहीं है।

पाक के झंडे में लपेटा गया था गिलानी का शव, जांच शुरू

श्रीनगर। कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैय्यद अली शाह गिलानी की मौत के बाद उनके शव को पाकिस्तानी झंडे में लपेटने और राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के आरोप में बडगाम पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच बडगाम जिले के नरकारा में पथराव की छिटपुट घटना को छोड़कर पूरी घाटी में शांति रही। दर्जनभर से अधिक अवांछनीय तत्वों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम को घेरकर तलवार से हमला

पटना । बिहार के वैशाली जिले में उपद्रियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। टीम को घेरकर लाठी-डंडे और तलवार से हमला किया गया, जिसमें एसएचओ समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है शनिवार देर रात महुआ थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में पुलिस टीम मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची थी, उसी समय गांव में पुलिस वालों को घेर लिया गया।

बताया जा रहा है कि मिल्की गांव में मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए महुआ एसएचओ कृष्णानंद झा के नेतृत्व में दो पुलिस थाने की टीम गई हुई थी। इस दौरान ही उपद्रियों ने टीम को चारों ओर से घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम पर हमले की सूचना के बाद महुआ डीएसपी पूनम केसरी भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंच गईं और आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया। गांव में चारों ओर से घिरे पुलिस बल ने हिम्मत नहीं हारी। जानकारी के मुताबिक हमले में कई पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। इसके बाद भी वे उप्रदियों से मुकाबला करते हुए मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार कर अपने साथ ले आए। पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपी भी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। हालांकि, कितने लोगों की गिरफ्तारी हुई है, इसकी जानकारी पुलिस की ओर से नहीं दी गई है।

क्रिक अपडेट

चिकित्सा के पितामह कहे जाने वाले डॉ एनपी मिश्रा का निधन

भोपाल। राजधानी में स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के पूर्व डीन और मेडिसिन के जाने-माने विशेषज्ञ डॉक्टर एनपी मिश्रा का रविवार सुबह सिविल लाइन स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। पिछले दिनों जीभ में कैंसर की वजह से उनकी सर्जरी की गई थी, तबसे वह अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से पूरे चिकित्सा क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

लक्ष्मण सिंह बोले- कलेक्टर की औकात ही क्या जो हमे..

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई और चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने कलेक्टर को लेकर विवादित बयान दिया है। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि कलेक्टर की औकात क्या है? तुम्हारे जैसे कई कलेक्टर आए और चले गए और कई आएंगे। महंगाई के खिलाफ पदयात्रा निकालने की अनुमति नहीं देने पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कलेक्टर पर निशाना साधा। शनिवार को महंगाई के मुद्दे पर मधुसूदनगढ़ में निकाली गई पदयात्रा को लिखित अनुमति न देने पर वह भड़क गए। गौरतलब है कि शनिवार को चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह की अगुआई में महंगाई के खिलाफ 15 किमी की पदयात्रा निकाली गई थी। मधुसूदनगढ़ इलाके के उकावद गांव के ढोका मंदिर से यह यात्रा शुरू हुई और यहीं पर समापन किया गया।

मंडला जिले के युवा शिक्षक शक्ति पटेल को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

मंडला। मंडला जिले के मांद हाईस्कूल के शिक्षक शक्ति पटेल को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार मिल गया है। पटेल ने यह पुरस्कार वर्चुअल ग्रहण किया। शक्ति दो दिन पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। बता दें कि शक्ति पटेल को यह पुरस्कार मात्र 32 वर्ष की उम्र में मिला है। कोरोनाकाल में स्कूल बंद होने के बाद शिक्षक शक्ति पटेल ने आनलाइन माध्यम से तो सीधे तौर पर बच्चों को पढ़ाया। युवा शिक्षक को सम्मान मिलने पर अन्य साथी शिक्षकों के लिए भी यह प्रेरणा का काम करेगा। दरअसल यह पुरस्कार इसलिए भी खास है क्योंकि देशभर के शिक्षकों के साथ मिलने जा रहे इस पुरस्कार में मप्र से वे एकमात्र शिक्षक है। जिनका चयन पुरस्कार के लिए हुआ था।

पिता की प्रेरणा से भरा था फार्म

मंडला जिले के बिछिया तहसील के हाईस्कूल मांद गांव में माध्यमिक शिक्षक शक्ति पटेल हिंदी विषय पढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए आवेदन करने उनके पिता ने ही उन्हें मोटीवेट किया। पहले ही प्रयास में राष्ट्रपति पुरस्कार मिल गया। सहसा विश्वास नहीं होता। मैने फार्म भरते समय भी यह नहीं सोचा था। मुझे लगता था, मेरे से सीनियर काफी लोग हैं, जो पुरस्कार के काबिल हैं। मै तो राज्यस्तर के पुरस्कार तक ही अपने आप को मान रखा था। पर अब मुझे लग रहा है कि मैने जो किया है। उसकी उपलब्धि की वजह से ही मुझे पुरस्कृत किया जा रहा है।

कोरोना के वक्त वीडियो यू ट्यूब में डाला था

जिन वजहों से शिक्षक शक्ति पटेल को चयनित किया गया। उसके बारे में उन्होंने बताया कि कोरोना काल जब चल रहा था। स्कूल में बच्चे पढ़ने नहीं जा रहे थे। ऐसे समय में बच्चों की पढ़ाई के प्रति रूचि कम हो रही थी। उस वक्त मैने बच्चों की पढ़ाई के लिए करीब 125 से अधिक एजूकेशनल वीडियो 9वीं व 10वीं के यूट्यूब में अपलोड किए। बच्चों को पढ़ाई के लिए मोटीवेट किया। कोरोना काल में पढ़ाई ऑनलाइन पढ़ाई हो रही थी। गांव में स्मार्ट फोन नहीं थे। तो अनेक बच्चों को स्टडी मटेरियल निः शुल्क उपलब्ध कराया

10 साल के बालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर। सरकंडा की चांटीडीह सब्जी मंडी में 10 साल के बालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान कर स्वजन को सूचना दी है। उनके आने पर आत्महत्या का कारण स्पष्ट होगा। सरकंडा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि चांटीडीह सब्जी मंडी के पास करबला कुम्हारपारा निवासी 10 वर्षीय गोपाल का शव फांसी के फंदे पर झूल रहा था। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। इस पर पुलिस की टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट को मौके पर बुलाया गया है। मृतक के स्वजन को इसकी सूचना दी गई है। उनके आने पर शव फंदे से उतारा जाएगा। स्वजन से पूछताछ में घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

महीनों दुष्कर्म फिर गौमांस खिला धर्म परिवर्तन की कोशिश

बिहार के सुपौल में महिला का अपहरण कर महीनों दुष्कर्म करने और गोमांस खिलाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। भीमपुर थाना क्षेत्र की एक महिला का अपहरण कर युवक ने महीनों तक यौन शोषण किया। इस दौरान महिला को गोमांस मांस खिलाकर जबरन धर्म परिवर्तन करने का दबाव भी बनाया गया और मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। दरअसल, भीमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 30 जून की शाम एक महिला अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान कलीम नाम के एक युवक ने उसे पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिया

ईगल बैटरी
डीलर-एक्साइड बैटरी
सभी गाड़ियों की बैटरी
EXIDE MICROTEK
TECHNOLOGY WE LIVE
फत्रकार भवन के सामने, बल्देवबाग
जबलपुर, फोन 9826115492, 9200792000

1962 में ऐसे हुई थी शिक्षक दिवस की शुरुआत

मुंबई । भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1962 में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई थी। यह शिक्षकों और मार्गदर्शकों का त्योहार है। भारत के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षकों के लिए समर्पित किया गया है। इस दिन, शिक्षक और छात्र शैक्षणिक संस्थानों में उत्सव, धन्यवाद और स्मरण की गतिविधियों में शामिल होने के लिए इकट्ठा होते हैं। कुछ स्कूलों में, वरिष्ठ छात्र शिक्षकों की भूमिका निभाते हैं और छोटे छात्रों को शिक्षकों के लिए प्रशंसा और सम्मान के प्रतीक के रूप में पढ़ाते हैं।सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म सर्वपल्ली वीरस्वामी और सर्वपल्ली सीता के यहां एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण हिंदू परिवार में हुआ था। उस समय उनका घर मद्रास प्रेसीडेंसी के तिरुत्तानी में था। राधाकृष्णन ने भारत के पहले उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वो धर्म और दर्शन के भारत के सबसे प्रतिष्ठित विद्वानों में से एक थे। उनका मानना था कि देश के सबसे अच्छे लोगों को शिक्षण का कार्य करना चाहिए। अपने पूरे शैक्षणिक और राजनीतिक जीवन के दौरान, उन्होंने कई पुरस्कार प्राप्त किए, जिसमें 1931 में नाइटहुड, 1954 में भारत रत्न और 1963 में ब्रिटिश रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की मानद सदस्यता शामिल है। डॉ. राधाकृष्णन भारत में बुजुर्गों के लिए बनाए गए हेल्पेज इंडिया के संस्थापकों में से एक थे। जब वे भारत के राष्ट्रपति बने, तो उनके कुछ छात्रों ने उनसे 5 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाने की अनुमति देने का अनुरोध किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मेरा जन्मदिन मनाने के बजाय, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। यह मेरे लिए गर्व की बात होगी कि। इसी के बाद से उनके जन्मदिन को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट में तीन सुरक्षाकर्मियों की गई जान

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा रविवार सुबह-सुबह एक बम धमाके से दहल उठी। धमाके में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की पुष्टि क्वेटा पुलिस ने की है।अभी तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अधिकारी इसे आत्मघाती हमला मान रहे हैं। अधिकारी की मानें तो इस हमले में किसी बड़े आतंकी संगठन का हाथ हो सकता है। हालांकि, बम निरोधक दस्ता मौके पर है जांच में जुटा हुआ है। पुलिस ने बताया है कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

दो समूहों में बांटकर किया गया अध्ययन

शिक्षक ने बदल दी क्षेत्र की तस्वीर

स्कूल में किए कई नवाचार, पूरे जिले में अव्वल रिजल्ट, घोर बियाबान जंगल में स्थित शासकीय हाई स्कूल रामपाटन में पदस्थ शिक्षक की पहल

कटनी। जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर घोर बियाबान जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में स्थित शासकीय हाई स्कूल रामपाटन में शिक्षा के क्षेत्र में नई इबारत लिखी है विद्यालय में पदस्थ एकमात्र शिक्षक मनोज गर्ग ने। श्री गर्ग इस विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य भी हैं। वर्ष 2011 से अपनी पदस्थापना के बाद इस विद्यालय में विभिन्न नवाचार कर नई ऊंचाइयों को प्रदान किया है। यह क्षेत्र पूर्णता आदिवासी एवं पहाड़ी क्षेत्र है, जिसमें यहां के छात्र अपनी प्राथमिक एवं माध्यमिक तक की शिक्षा पूर्ण नहीं कर पाते थे। ऐसे में सीमित संसाधन एवं चुनौतियों को स्वीकार कर मनोज गर्ग ने विद्यालय को नई ऊंचाइयों प्रदान की गई, जिसके कारण रामपाटन स्कूल का परीक्षा परिणाम जिले में अव्वल रहता है, जिसके लिए इन्हें राज्यपाल पुरस्कार जिला स्तरीय विज्ञान, जल संरक्षण पर्यावरण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के क्षेत्र में अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। मित्र पाती कक्षा में अध्ययनरत सभी छात्र एक दूसरे के मित्र होते हैं तथा वह अपने प्रत्येक सप्ताह में अपने एक मित्र को एक पाती चिट्ठी देता है, जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु होती है तथा जिस मित्र को है पाती देता है उस विषय वस्तु को उस मित्र को याद, अध्ययन करके सभी के सामने सुनाना पड़ता है। सभी साथी अपने मित्र को पाती देते हैं, जिससे कि प्रत्येक छात्र की अकादमी की विषय वस्तु का कोर्स कंप्लीट हो जाता है।

मेरी भी सुनो विद्यालय

मेरी भी सुनो विद्यालय में 6 बाय 6 का एक बोर्ड होता है, उसमें छात्र विद्यालय से संबंधित अकादमी तथा भौतिक समस्याओं को अंकित करते हैं तथा शाम को विद्यालय के प्राचार्य द्वारा उन समस्याओं को छात्रों के सामने सुना कर उसके निदान किया जाता है। जैसे यदि किसी छात्र को कक्षा में शिक्षक द्वारा कोई पाठ पढ़ाए जाने पर समझ में नहीं आता, तो छात्र उसे उस बोर्ड में अंकित कर देता है। फिर प्राचार्य द्वारा संबंधित शिक्षक से उस कक्षा में उसी विषय वस्तु को पुनः अध्यापन कार्य कराया जाता है ताकि छात्र उस विषय वस्तु को अधिगम रूप से पूर्ण कर सकें।

विद्यालय में बाउंड्री वाल का निर्माण

हाई स्कूल रामपाटन ग्राम के बाहर चट्टानों में बना है तथा वहां बाउंड्री वाल नहीं थी। शिक्षक मनोज गर्ग द्वारा 200 फुट की बाउंड्री जनसहभागिता व अपने स्वयं की पैसे से निर्माण कराया गया तथा वृक्षारोपण कर उस पूरे परिसर को हरा भरा वातावरण बच्चों को प्रदान किया गया। आज विद्यालय पूर्णता फलदार आंवला नीम आम पीपल, सागौन आदि के वृक्षों के बीच स्थित दिखाई देता है। विद्यालय का स्वच्छ परिसर एवं वातावरण निश्चित रूप से हर एक व्यक्ति का ध्यान विद्यालय की ओर सहसा ही आकर्षित हो जाता है। सामाजिक क्षेत्र में भी शिक्षक मनोज गर्ग द्वारा कोरोना वालंटियर के रूप में वैक्सीनेशन जागरूकता के लिए घर घर जाकर वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। रोड में कोई ऐसा स्पीड ब्रेकर बना गया है जिसमें आए दिन लोग दुर्घटना ग्रस्त होते हैं। उसे भी इनके द्वारा रंग रोगन कर किया जाता है। ताकि दुर्घटना न हो सके। ऐसे अनेक सामाजिक काम में निरंतर क्षेत्र एवं मानव सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। आज के समय मे ऐसे शिक्षक प्रेरणादायक व वंदनीय है।

जुग-जुग जियो विद्यालय

जुग जुग जियो विद्यालय के प्रवेश द्वार में एक बोर्ड लगाया गया है जिसमें शाम को अगले दिवस जिन छात्रों का जन्म दिवस होता है, उसे अंकित कर दिया जाता है तथा प्रातः काल की सभा में उस छात्र को विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों शिक्षकों स्टाफ के समक्ष शुभकामनाएं प्रेषित कर मुंह मीठा कराया जाता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत राम पाटन से 7 किलोमीटर दूर सुदूर जंगल में स्थित ग्राम बरही रामनगर में प्रवेश संपर्क अभियान के अंतर्गत मनोज गर्ग को दो आदिवासी छात्राएं कुमारी अनुराधा एवं कुमारी कल्पना की जानकारी प्राप्त हुई। यह छात्राएं कक्षा पांचवी तक अध्ययन के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी हैं। छात्राओं के घर पर जाकर संपर्क करने में ज्ञात हुआ कि वर्ष 2014-15 में उनके पिता हरि सिंह गौड का बीमारी के कारण देहांत हो चुका था तथा 1 वर्ष बाद उनकी माता यशोदा बाई ने भी बच्चों को साथ छोड़ दिया। इस कारण से बच्चे अनाथ होकर आगे की पढ़ाई नहीं कर सकी। घर पर मात्र दो ही बहनें थी तथा स्वयं मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रही थी। इन दोनों छात्राओं से संपर्क कर बड़ी बहन कुमारी अनुराधा कक्षा छठवीं एवं छोटी बहन कुमारी कल्पना को कक्षा तीसरी में प्रवेश दिलाया तथा इनके पाठ पुस्तक अध्यापन सामग्री पेन काफी देश गृहस्थी के संचालन हेतु नगद राशि एवं आवश्यक वस्तु का सहयोग मनोज गर्ग के द्वारा किया गया तथा इन बच्चियों को हाई स्कूल तक की शिक्षा पूर्ण कराई गई। कुमारी अनुराधा वर्ष 2020 में 75 प्रतिशत अंकों के साथ हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा रामपाटन से उत्तीर्ण किया तथा आएगी पढ़ाई के लिए भी इनके द्वारा उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

बच्चों के पास नहीं थे मोबाइल, स्वयं सेवकों की ली मदद, फिर कराई पढ़ाई

शासकीय स्कूल खरखरी नं. 1 में पदस्थ शिक्षक मनीष सोनी ने निभाया शिक्षक का दायित्व

कटनी। कोरोना संक्रमण का समय था। स्कूल बंद थे लेकिन शैक्षणिक गतिविधियां जारी थीं। मोहल्ला क्लासों के माध्यम से प्रदेश सरकार बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य कर रही थी। ऐसे में शिक्षकों के लिए भी बच्चों को ऑनलाइन क्लास के माध्यम से पढ़ाना एक चुनौती की तरह था। कटनी विकासखंड के खरखरी नं. 1 शासकीय स्कूल में पदस्थ प्रभारी मनीष सोनी ने बेहतर कार्य करते हुए अपने शिक्षक के पद के दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। श्री सोनी ने कोरोना के पहले चरण में ऑनलाइन माध्यम से जहां पालकों से बैठकें लगातार जारी रखी थीं तो हमारा घर-हमारा विद्यालय अभियान में बच्चों को मोहल्ला क्लासों के जरिए शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया। खरखरी गांव में कई बच्चे ऐसे थे, जिनके घरों में मोबाइल नहीं थे। ऐसे में उन्होंने गांव के युवाओं की मदद ली। युवा गांव के छह स्थानों पर लगने वाली मोहल्ला क्लासों में जाते थे और शिक्षक स्वयं सेवकों के मोबाइल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाते थे। इतना ही नहीं व्हाटसएप पर टेस्ट के दौरान भी जब ऐसी ही स्थिति बनी तो मनीष अपने स्कूल के शिक्षकों के साथ खुद गांव में घूमते थे और एक स्थान पर तीन चार बच्चों को एकत्र कर उनका अपने मोबाइलों पर टेस्ट पूरा कराते थे। उनको पूरे अभियान में किए गए नवाचार से अच्छी सफलता मिली और 95 प्रतिशत बच्चों को उन्होंने शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया। बच्चों के पास पर्याप्त पाठ्य सामग्री उपलब्ध नहीं रहती थी, जिसके चलते शिक्षकों के आपसी सहयोग से उन्होंने पाठ्य सामग्री की फोटोकापी कराई और उनका वितरण किया तो बच्चों को नोटबुक आदि भी उपलब्ध कराई। शिक्षक मनीष सोनी के बहेतर कार्य को देखते हुए उन्हें राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया है।

कोरोना कॉल में भी पूरा किया शिक्षक का दायित्व

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने जारी रहीं गतिविधियां

कटनी। कोरोना संक्रमण काल में लोग घरों से बाहर निकलने में घबराते थे। ऐसे कठिन समय में भी जिले में कई शिक्षकों ने अपना शिक्षण का दायित्व नहीं छोड़ा। उनमें से एक हैं कटनी विकासखंड में पदस्थ बीआरसी विवेक दुबे। एक अधिकारी होने के साथ ही उन्होंने शिक्षक के दायित्व का भी कोरोना काल में बखूबी निर्वाह किया। जिसके लिए उन्हें राज्य स्तर पर पुरस्कृत भी किया जा चुका है। संक्रमण काल में भी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने श्री दुबे ने अपने साथियों को मनोबल बढ़ाया और नवाचार करते हुए बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। शिक्षकों व पालकों के साथ ऑनलाइन मीटिंग कर गतिविधियों की जानकारी लेने व समस्याओं का निराकरण करने का कार्य भी श्री दुबे ने किया। पालकों को सम्मानित कर बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने का प्रयोग पूरे जिले में सराहा गया। कोरोना काल के समय उन्होंने शिक्षकों के साथ घर-घर संपर्क किया और अभिभावकों को प्रेरित किया कि वे अपने बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई कराएं। ऐसे पालक जो अपने बच्चों को डिजीलैब के जरिए शिक्षण गतिविधियों को जोड़कर रखते थे, उनका घरों में जाकर सम्मान कर उत्साह बढ़ाने का कार्य भी श्री दुबे ने किया। इतना ही बेहतर रिजल्ट आने पर व होमवर्क समय पर करने वाले बच्चों के साथ उनके पालकों का भी सम्मान कर उत्साहवर्द्धन करने का काम उन्होंने किया। शिक्षण गतिविधियों के साथ ही कोरोना से बचाव को लेकर पालकों को जागरूक करने व बच्चों को महामारी से बचाव के लिए भी जानकारी देने का कार्य कोरोना संक्रमण काल में श्री दुबे ने किया। इसको लेकर राज्य स्तर से उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रशंसा पत्र भी दिया गया है। कोरोना संक्रमण के दौरान एक छात्रावास में लगभग 18 छात्र ठहरे हुए थे। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ ही पढ़ाई को लेकर मदद करने का कार्य भी बीआरसी श्री दुबे ने किया। बच्चों से रोजाना वीडियो कॉल पर बात करना और उनकी परेशानियों को सुनकर उनका निराकरण कराने का कार्य भी उनके कोरोना काल के बेहतर कामों में शामिल रहा।

बेहतर कार्य को लेकर राज्य स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं बीआरसी विवेक दुबे

जब से संभाला स्कूल का प्रभार, बदल दी तस्वीर

ढीमरखेड़ा के गौरा मिडिल स्कूल में पदस्थ शिक्षक ने अपनी मेहनत से परिसर का बनाया हरा भरा

कटनी। ढीमरखेड़ा तहसील के गौरा गांव का मिडिल स्कूल। हरे भरे पौधों से भरा परिसर। बाहर और अंदर की दीवारों पर शानदार चित्रकारी। आर्गन पेड, ढोलक, हारमोनियम के गूंजते सुर। यह सब यहां पर पदस्थ प्रभारी महेन्द्र सिंह ठाकुर की मेहनत का नतीजा है। स्कूल का प्रभार संभालने के साथ ही उन्होंने सरकार से आने वाली राशि के साथ जनसहयोग और कुछ राशि खुद से खर्च कर परिसर की तस्वीर बदलने का काम किया। वर्तमान में गौरा का मिडिल स्कूल एक आदर्श स्कूल है और शिक्षक के कार्य को ग्रामीणों के साथ अधिकारियों की भी सराहना मिल रही है। इतना ही नहीं स्कूल को स्वच्छ व सुंदर बनाने के साथ ही शिक्षक श्री सिंह ने खुद के खर्च से वाद्ययंत्र भी मंगाए हैं और स्कूल टाइम के बाद वे बच्चों को संगीत की भी शिक्षा देते हैं।

बच्चों को संगीत सिखाने की खुद से की व्यवस्था, दीवारों पर सहयोग से कराई चित्रकारी

2015 में संभाला था स्कूल का कार्यभार

शिक्षक महेन्द्र सिंह वर्ष 1995 में गौरा स्कूल में पदस्थ हुए थे। कुछ दिन बाद उन्हें जनशिक्षक बना दिया गया। वर्ष 2015 में उनकी वापस पदस्थापना स्कूल में की जा रही थी तो उन्होंने गौरा स्कूल ही जाने का आग्रह किया। जुलाई माह से उनकी पदस्थापना स्कूल में की गई और उसके बाद ही उन्होंने परिसर को संवारने का काम प्रारंभ कर दिया। गांववालों के सहयोग से सबसे पहले स्कूल के मैदान का समतलीकरण कराया गया और उसके बाद शिक्षक ने बच्चों के साथ मिलकर परिसर में क्यारियां तैयार कीं। जिनमें फलदार, फूल के पौधे रोपे गए। नर्सरी में शिक्षक व बच्चे मिलकर पौधों की सेवा करते रहे और वर्तमान में पूरे परिसर में लगभग एक सैकड़ा पौधे लहलहा रहे हैं। पौधों को सींचने के लिए पानी की व्यवस्था शिक्षक ने जनसहयोग से कराई है। स्कूल की दीवारों को भी सुंदर बनाने के लिए उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर खुद ही दीवारों को पेंट किया। साथ ही कहानियों पर आधारित चित्रकारी भी कराई गई ताकि बच्चों को खेल-खेल में ज्ञान मिल सके।

जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेकर कराए निर्माण

मिडिल स्कूल गौरा में मंच का निर्माण कराया गया है ताकि सांस्कृतिक गतिविधियां हो सकें। इसके लिए शिक्षक ने क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य से सहयोग लिया तो अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से फर्श को दुरूस्त कराने का कार्य भी कराया गया है। वर्तमान में सहयोग से स्कूल परिसर में मां सरस्वती के मंदिर का निर्माण भी जारी है। कोरोना संक्रमण के कारण लंबे समय से स्कूल बंद थे लेकिन शिक्षक महेन्द्र सिंह की पाठशाला जारी रही। शिक्षक ने ठेले में एलईडी और पाठ्य सामग्री लगाकर गांव में घूमघूमकर बच्चों को मोहल्ला क्लास के जरिए शिक्षित करने का कार्य किया। लॉकडाउन के दौरान उनका चलित स्कूल जिले भर में चर्चा का विषय रहा। उनकी गतिविधियों को लेकर कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ भी उनको सम्मानित कर चुके हैं।

नरेन्द्र दूध डेयरी में मिला 7 किलो खराब पनीर

प्रतिष्ठान के विरुद्ध एफआईआर

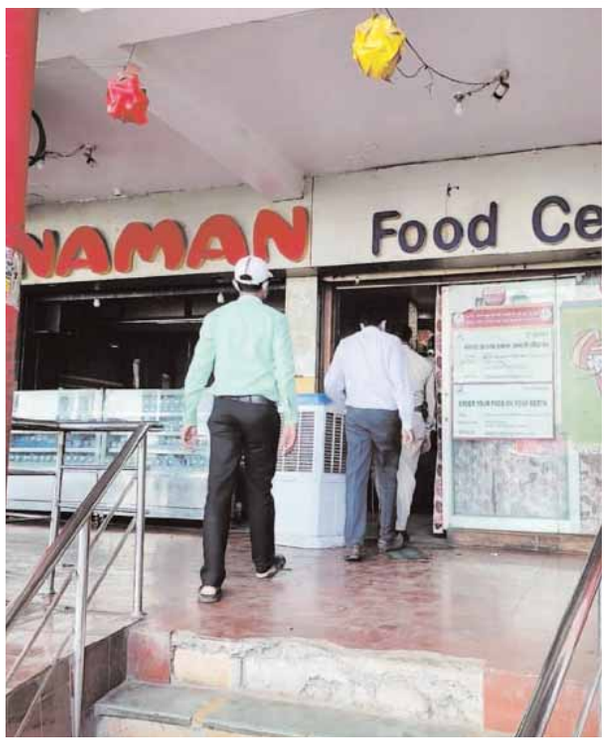

कटनी। जिले में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत शनिवार को राजस्व, फूड और पुलिस की संयुक्त टीक द्वारा शहरी क्षेत्र अंतर्गत संचालित विभिन्न खाद्य संस्थानों में दबिश दी गई। इस दौरान टीम द्वारा संबंधित संस्थान से खाद्य पदार्थों की जांच कर नमूने एकत्रित किये गये। इसके साथ ही मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी की गई है। तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार 4 अगस्त को संयुक्त टीम द्वारा बिलैया तलैया सब्जी मण्डी स्थित नरेन्द्र दूध डेयरी की जांच की गई। जहां पर नरेन्द्र दूध डेयरी संस्थान में 7 किलो खराब पनीर पाये जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

जिले में अब तक 549.9 मिलीमीटर औसत वर्षा

कटनी। जिले में 1 जून से 4 सितम्बर 2021 तक 549.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गतवर्ष इस अवधि में 762.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। गौरतलब है कि जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1124.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 1 जून से 4 सितम्बर 2021 तक जिले के तहसीलवार वर्षा मापी केन्द्र कटनी में 486.6 मिलीमीटर, रीठी में 502.2 मिमी, बड़वारा में 704.0 मिमी, बरही में 681.0 मिमी, विजयराघवगढ़ में 631.9 मिमी, बहोरीबंद में 472.5 मिमी, स्लीमनाबाद में 370.0 मिमी और वर्षामापी केन्द्र ढीमरखेड़ा 576.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में जिले मे कुल 16.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। कटनी अंतर्गत 14.2 मिमी, रीठी तहसील अंतर्गत 11.0 मिमी, बड़वारा तहसील अंतर्गत 12.0 मिमी, विजयराघवगढ़ तहसील अंतर्गत 42.0 मिमी, बहोरीबंद तहसील अंतर्गत 18.6 मिमी, स्लीमनाबाद तहसील अंतर्गत 30.0 मिमी और ढीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत 6.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

नीलिमा से

गुरू ज्ञान के सागर

नमन माँ सरस्वती को, जो देती हैं ज्ञान का भंडार
भावों को नया संसार, कल्पनाओं को नया आधार

मेरी कलम को सुशोभित करती हैं संस्कार और अलंकार
हर शब्द, हर वाणी को देती हैं जो ज्ञान से स्वच्छ आकार

नमन उन माता-पिता को जो उंगली पकड़ चलना सिखाते हैं
जिनसे है हमारी पहचान, जो जीवन का आधार बनाते हैं

प्रथम गुरु माता-पिता जो हमें संस्कार और आदर्श सिखाते हैं
अपने हर अनुभव से हमें जीवन की हर राह दिखाते हैं

नमन उन गुरु को जो एक मुकम्मल समाज बनाते हैं
अक्षर ज्ञान ही नहीं, दुनिया बदलने की आवाज बनाते हैं

खुद जलकर दिये की तरह दिव्य सरस जीवन बनाते हैं
अंधेरी राहों में बनकर दीपक का प्रकाश, मार्गदर्शक बन जाते हैं!!!

- नीलिमा पाठक सामंतरे

यश भारत

सिटी न्यूज

कटनी, रविवार, 05 सितम्बर 2021

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने कटनी पहुंचकर पकड़ी बिजली चोरी

आकस्मिक रुप से की विद्युत कनेक्शनों की जांच, संबंधितों के विरुद्ध प्रकरण तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने दिये निर्देश

कटनी। शनिवार को प्रमुख सचिव उर्जा संजय दुबे द्वारा शहर संभाग के अंतर्गत अधिक विद्युत हानि वाले क्षेत्रों का दौरा किया गया। जिसके अंतर्गत भट्ठा मोहल्ला क्षेत्र में आकस्मिक रूप से विद्युत कनेक्शनों की जांच टीम द्वारा कराई गई। जांच के दौरान लगभग 20 उपभोक्ता परिसरों में विद्युत चोरी पायी गई। इनके विरुद्ध पंचनामा तैयार कर प्रकरण न्यायालय में भेजने की तैयारी की जा रही है। औचक रुप से किये गये निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्युत चोरी के अधिकतर प्रकरणों में पोल से सर्विस लाइन को काटकर बिजली चोरी की जा रही है। मीटर में शंट भी पाया गया। कुछ मीटरों का डिस्प्ले खराब किया गया है एवं कुछ मीटर जले पाये गये बिजली चोरी के इन प्रकरणों के फोटोग्राफ भी लिये गये है। जिस पर प्रमुख सचिव श्री दुबे द्वारा यथोचित कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश संबंधितों को दिये गये। साथ ही उन्होने क्षेत्रीय अधिकारियों, लाइन कर्मचारियों एवं मीटर रीडरों को सख्त निर्देश दिये कि इस प्रकार बिजली चोरी के प्रकरणों में सतत् निगरानी रखें तथा अधिक बिजली चोरी वाले स्थानों को चिन्हित कर बिजली चोरी के प्रकरण बनायें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रमुख सचिव श्री दुबे ने कलेक्टर सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी ली। जिसमें कनिष्ठ अभियंता स्तर तक के अधिकारी

सम्मिलित हुए। बैठक में स्पष्ट रूप से श्री दुबे ने निर्देशित किया कि घरेलू फीडर में विद्युत उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि फीडरों पर नियमानुसार 10 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। हाई लॉस वाले वितरण ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर सघन चौकिंग की जाए। जिस वितरण केन्द्र में अधिक मात्रा में वितरण ट्रांसफार्मर फेल हो रहे हैं। ऐसे ट्रांसफार्मरों के विद्युत कनेक्शनों की जांच की जाए एवं देखा जाए कि कितने कनेक्शन वैध एवं कितने अवैध रूप से चल रहे है।

शून्य खपत वाले उपभोक्ताओं की समीक्षा

शून्य खपत वाले उपभोक्ताओं की समीक्षा कर उन परिसरों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश प्रमुख सचिव श्री दुबे ने दिये। उन्होने स्थायी रूप से विच्छेदित उपभोक्ताओं के परिसरों की जांच करने तथा इन परिसरों में विद्युत का उपयोग हो रहा है अथवा नहीं, इसका भी सतत रुप से परीक्षण करने के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं बड़े बकायादार कनेक्शनों की संघन चौकिंग करने के निर्देश श्री दुबे ने दिये। उन्होंने कहा कि जिन फेल ट्रांसफार्मरों पर बकाया राशि के कारण नहीं बदले जा रहे है। ऐसे ट्रांसफार्मरों में राजस्व अधिकारियों से संपर्क कर शिविर आयोजित कर बकाया उपभोक्ताओं से राशि जमा कराने की कार्यवाही की जाये। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भी मौजूद रहे। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबन्ध संचालक व्ही. किरण गोपाल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रूठे किसानों ने किया बिजली दफ्तर का घेराव

एई ने दिया आश्वासन, एक सप्ताह में दूर होगी समस्या

कटनी। स्लीमनाबाद क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही अघोषित बिजली कटौती के विरोध में क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने रैली निकालकर बिजली दफ्तर का घेराव किया। बहोरीबंद मोड़ से सभी ग्रामीणों एवं किसान वर्ग ने विद्युत मंडल के विरोध में रैली निकाली और नारेबाजी करते हुए सभी लोग बिजली विभाग पहुंचे और अधिकारियों का जमकर विरोध किया। ग्रामीणों ने बताया कि आज पूरे क्षेत्र में बिजली की भीषण समस्या बनी हुई है। इसे लेकर स्लीमनाबाद क्षेत्रवासियों ने विद्युत मंडल का घेराव किया और नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। इस दौरान एई ने ग्रामीणों एवं किसानों को आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के भीतर बिजली की समस्या का निदान हो जाएगा, जहां ट्रांसफार्मर जल गए हैं, उन्हें बदला जाएगा। बिजली कटौती से किसानों को परेशानी न हो, ऐसा उपाय किया जाएगा। 3 घंटे चले इस घेराव में लोगो ने विद्युत मंडल के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर एक सप्ताह में समस्या का निदान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान अनिल दुबे, दीपक मिश्रा, सानू ठाकुर, हर्ष शर्मा, महेंद्र दुबे, निखिल, आशीष हल्दकार इत्यादि क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

बार्डस्ले स्कूल के पूर्व प्राचार्य एस नेल्सन का निधन

शिक्षा जगत में शोक की लहर

कटनी। मिशन चौक स्थित बार्डस्ले स्कूल के पूर्व प्रिंसिपल रेव्ह. एस नेल्सन का कैंसर की बीमारी के चलते शनिवार की शाम राय कॉलोनी स्थित निवास में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से बार्डस्ले स्कूल स्टाफ, छात्रों के साथ ही शिक्षा जगत में गहन शोक व्याप्त हो गया। जानकारी के मुताबिक वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और घर पर रहकर ही चिकित्सा लाभ ले रहे थे। कल शाम जब उन्होंने अंतिम सांसे ली, उस समय उनकी दोनों बेटियां व परिजन साथ थे। श्री नेल्सन का

जन्म 2 सितम्बर 1950 को हुआ था। दो दिन पहले ही उनका जन्मदिन मनाया गया था। जानकारी के मुताबिक मिशन स्कूल में वे वर्ष 1989 से कार्यरत थे। बार्डस्ले स्कूल में प्रिंसिपल के रूप में 1989 से 2015 तक उनका कार्यकाल बेहतरीन रहा। अनुशासन प्रिय होने के साथ ही उन्होंने अपनी पहचान एक कुशल प्रशासक के रूप में बनाई थी, इसके अलावा वे शहर में होने वाली सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। शहर की कई जानी-मानी हस्तियां बतौर छात्र श्री नेल्सन से शिक्षा ग्रहण कर चुकी हैं। यूथ हॉस्टल एवं खेल आयोजनों में वे हर संभव सहयोग देते थे। आज बरगवां कब्रिस्तान में परिजनों, शुभचिंतकों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर यूथ हॉस्टल एसोसिएशन सहित शहर की विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।

कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का दावा किया नगर निगम ने

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए सफाई व्यवस्था पर जोर

कटनी। स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगमम संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नगर की सुचारू सफाई व्यवस्था हेतु निगम प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है। वर्तमान में बदलते मौसम को दृष्टिगत रखते हुए नगर में किसी भी प्रकार की बीमारी अपने पैर न पसार सके इस हेतु वार्डो में कीटनाशक दवा के छिड़काव का कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के निर्देषन में निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए आज प्रातः 5 बजे से नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्र की विभिन्न सार्वजनिक सडकों की सफाई कार्य के तहत इंदिरा नगर, पुरैनी मुक्तिधाम परिसर, पन्ना मोड बस स्टेण्ड परिसर, जालपा वार्ड स्थित राष्ट्रीय स्कूल मैदान, लक्ष्मी भवन के पास, आजाद चौक जुलूस मार्ग, मिशन चौक, गांधी द्वार, सिविल लाईन, चौपाटी परिसर, फूल मंडी, हाकर्स जोन, शासकीय चिकित्सालय मेन रोड, व्ही.आई.पी मार्ग, नई बस्ती खिरहनी फाटक ओव्हर ब्रिज से तिलक कॉलेज मुख्य मार्ग, शिवाजी वार्ड सब्जी मंडी एवं घाट पहुंच मार्ग व घाट की सफाई, भट्टा मोहल्ला मुख्य मार्ग, कावसजी वार्ड विवेकानंद चौक के पीछे वाली गली तथा मलिन वंशकार बस्ती की सफाई, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के विभिन्न स्थलों, सहित माधवनगर की मुख्य एवं अन्य गलियों की सफाई सहित पन्ना मोड से सांई मंदिर तक, पुरैनी से चाका, बरगवां ओव्हर ब्रिज के नीचे, द्वारका सिटी गेट के पास के डिवाईडर के दोनों ओर सफाई का कार्य कराया गया। नगर की नालियों की सफाई व्यवस्था हेतु इंदिरा नगर गली नंबर 4 की नालियों, कावसजी वार्ड भट्टा मोहल्ला पूर्व पार्षद के घर के सामनें एवं वंशकार मलिन बस्ती की नालियों, मदन मोहन चौबे वार्ड में अग्रवाल जी के घर के पास, संत कवरराम वार्ड में विभिन्न स्थलों की नालियों सहित नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों की अन्य नालियों के अपशिष्ट की सफाई का कार्य कराया गया।

मौसमी बीमारियों को दृष्टिगत रखते हुए निगमयुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में विगत द्वितीय पाली से ही कीटनाशक दवा का छिडकाव अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। आज प्रथम पाली में दोपहर दो बजे तक नगर के विभिन्न स्थलों गणेश प्रसाद मासुरहा वार्ड आजाद चौक, वेंकट वार्ड स्थित गौरी हास्पिटल गली, भरत टेंट गली, दुर्गा मंदिर के पास खंपरिया गली, गणेश मंदिर के पास, बाबू जगजीवन राम वार्ड जैन कॉलौनी, अंबेडकर वार्ड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड की विभिन्न गलियों सहित नगर के अन्य स्थलों में कीटनाशक दवा का छिड़काव कार्य कराया गया।

टीकाकरण केन्द्रों में सफाई अन्य व्यवस्थाएं भी कराई

कटनी। नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे द्वारा निगम सीमान्तर्गत आयोजित होने वाले वैक्सीनेशन सत्र हेतु चिन्हित टीकाकरण केन्द्रों में नागरिकों की सुविधा हेतु निकाय की आवश्यक व्यवस्थांए पूर्ण कराने हेतु दल का गठन किया जाकर निगम की आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशों के परिपालन में नगरीय सीमा क्षेत्र में आज आयोजित होने वाले वेक्सीनेशन सत्र हेतु चिन्हित टीकाकरण केन्द्रों पुरानी कचहरी, सामुदायिक भवन जालपा देवी वार्ड, शेरावाली मंदिर राजीव गांधी वार्ड, रेल्वे हास्पिटल एन.के.जे कटनी, आर्डिनेंस हास्पिटल,ए.सी.सी हास्पिटल, ए.सी.सी हास्पिटल कटनी, सेवा भारती अक्षर नंदन स्कूल में निगम के गठित दल के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा निकाय की आवश्यक साफ सफाई, चूने की लाईनिंग, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थांए पूर्ण कराई जाकर शत प्रतिशत टीकाकरण कराने के प्रयास किये गए।

प्रोटोकाल का पालन न करने पर किया जुर्माना

कटनी। कोरोना महामारी के संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण बनाये रखने एवं संभावित तीसरी लहर से बचाव हेतु निगम प्रशासन द्वारा जागरूकता गतिविधियों के साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर कोविड प्रोटोकाल का पालन न करने वालों पर जुर्मानें की कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा विगत संध्या माधवनगर गेट के पास अभियान चलाया जाकर 20 लोगों पर 2000/- एवं अभियान की शुरूवात की जाकर 25 लोगों को बिना मास्क के सार्वजनिक स्थलों पर भ्रमण करने पर 2500/-. रूपये के जुर्मानें की कार्यवाही की गई। नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे नें सम्माननीय नागरिकों से इस महामारी से बचाव हेतु टीकाकरण की दोनों डोज लगवानें तथा सार्वजनिक स्थलों में मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की है।

52 कैदियों का नेत्र परीक्षण, 35 को मिले चश्मे

लायंस क्लब कटनी लाइम सिटी के नेत्र परीक्षण शिविर का समापन

कटनी। लायंस क्लब कटनी लाईम सिटी एवं जिला चिकित्सालय कटनी के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. यशवंत वर्मा के सहयोग से जिला जेल कटनी में कैदियों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिला चिकित्सालय से राजेश श्रीवास्तव, रविवदास एवं गौतम लायंस परिवार से ला. एन. के. जैन, ला. सुरेश सुहाने, ला. अनिल खर्द, ला. राजेश जैन की उपस्थिति में 52 कैदियों का सफल नेत्र परीक्षण कर 35 कैदियों को तुरंत चश्मे एवं आवश्यक मेडीसन प्रदाय की गई। शेष कैदियों को आवश्यकता अनुसार चश्मे एक हफ्ते में तैयार कर दिये जाएंगे। जिला जेल अधीक्षक श्रीमति कोष्टा, सुजीत खरे, उपजेल अधीक्षक, जेल अस्पताल से नरेन्द्र की उपस्थिति एवं सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न किया गया।

आवश्यकता है

कम्पनी में ट्रांसपोर्टिंग एवं गाड़ी वालों को संभालने हेतु अनुभवी युवक की आवश्यकता है।

पता :- एस.एस. मल्टीग्रेन इंडिया प्रा.लि. लमतरा-कटनी
मोबाइल नं. :- केवल वाट्सएप हेतु- 9300510267

किराये से देना है

सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित
mgm HOSPITAL
एम.जी.एम. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर
(A Unit of Katni Hospital Pvt. Ltd.)
कचहरी चौराहा, फारेस्टर प्लेग्राउंड के सामने, कटनी (म.प्र.) फोन : 07622-405070-71-72 मो. 9424957890
कटनी में पहली बार मल्टी स्लाइस सी.टी.स्कैन मशीन द्वारा सी.टी.स्कैन जांच सुविधा
प्रतिदिन डायलिसिस सुविधा
24 घंटे एम्बूलेंस
24 घंटे दवाईयां
24 घंटे डिजिटल एक्सरे
24 घंटे एम.एल.सी
अस्थि रोग | शल्य चिकित्सा | स्त्री रोग | हृदय रोग | सामान्य चिकित्सा | फिजियो थेरेपी | शिशु रोग | दंत रोग | मस्तिष्क रोग | नेत्र रोग
एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षो में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वी (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वी
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

एसीसी अधिकारी के निवास से लाखों के आभूषण व नगदी पार

देर रात कुंडी तोड़कर घर में घुसे चोर, चाकू की नोंक पर दिया वारदात को अंजाम

कटनी/कैमोर। कैमोर नगर के बीचोबीच एकदम सुरक्षित जगह स्थित एसीसी की एसएस कालोनी के एक फ्लैट में कल देर रात चोरी की एक सनसनीखेज वारदात हुई है। फ्लैट एसीसी के सीनियर मैनेजर अखिल तिवारी का बताया जा रहा। अखिल तिवारी कल ही कैमोर से एसीसी के चंद्रपुर चांदा महाराष्ट्र प्लांट के लिए रवाना हुए थे। जिस वक्त यह वारदात हुई उस वक्त फ्लैट में उनकी पत्नी और 8 वर्षीय बेटी मौजूद थी। रात लगभग ढाई बजे आरोपी फ्लैट के मेन डोर की कुंडी तोड़कर घर मे घुसे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीनियर मैनेजर अखिल तिवारी की ड्यूटी एसीसी के महाराष्ट्र स्थित चांदा प्लांट में शट डाउन के लिए लगी थी। अपनी ड्यूटी जॉइन करने वे कल शाम ही कैमोर से रवाना हुए थे। देर रात जब उनकी पत्नी और बेटी फ्लैट के एक कमरे में सो रहे थे, तभी कुछ खट पट की आवाजें सुनकर उनकी पत्नी की नींद खुली। वो उस कमरे में पहुंची, जहां से आवाज आ रही थी। कमरे में दो अनजान लोगों को अलमारी का ताला तोड़ते देख वो डर गई। जोर से चीखी भी। तभी एक आरोपी ने उनके सर पर किसी पेचकस जैसी ठोस वस्तु से हमला कर दिया जबकि दूसरे ने उन पर चाकू तान दिया। अखिल की पत्नी को जान से मारने की धमकी देकर आरोपियों ने एक और अलमारी की चाभी उनसे ले ली जबकि एक अलमारी वे तोड़ चुके थे। लगग 15-20 मिनट में वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। वारदात के बाद बुरी तरह डरी सहमी अखिल तिवारी की पत्नी ने अपने पति को फोन पर इस वारदात की जानकारी दी। पत्नी से घर में हुई वारदात की खबर मिलते ही अखिल तिवारी ने सबसे पहले डायरेक्टर प्लांट के आर रेड्डी को जानकारी दी फिर अपने परिजनों को बताया। डायरेक्टर प्लांट के आदेश पर अखिल तिवारी ने अपनी आगे की यात्रा निरस्त कर दी और रात में ही वापस कैमोर के लिए रवाना हो गए। अखिल तिवारी जिले के बहोरीबंद छेत्र के विधायक प्रणय पांडेय के रिश्तेदार हैं। खबर मिलते ही प्रणय पांडेय के छोटे भाई भी कैमोर पहुंच गए थे।

वारदात के बाद सबसे पहले पहुंचे टीआई

वारदात की खबर मिलते ही कैमोर टी आई अरविंद जैन सुबह 4 बजे ही मौके पर पहुंच गए। उनकी सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी खोजी कुत्ते को लेकर पहुंची। टी आई ने घर के सदस्यों के बयान लिए। सुबह फ्लैट और कॉलोनी में काम करने आने वालों से भी पूछताछ की। टी आई श्री जैन ने बताया कि जिस फ्लैट में यह वारदात हुई है वह पिछले कुछ दिनों से बंद था। एक दो दिन पहले ही उसका ताला खुला है। शायद आरोपी इसे सूना घर समझ के चोरी की नीयत से घुसे थे। एकाएक घर में महिला को देखकर वे घबरा गए। पुलिस इस वारदात को चोरी की वारदात मान रही जो ग्रहभेदन या नकबजनी की श्रेणी में आती है। टी आई ने यह भी भरोसा दिलाया है कि आरोपी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

हीरे पन्ने की अंगूठियों सहित लाखों के थे आभूषण

कुल कितने के आभूषण चोरी हुए इस बारे में पुलिस अभी गणना कर रही जबकि वारदात के शिकार हुए अधिकारी निखिल तिवारी ने बताया कि हीरे की चार, पन्ना की एक अंगूठी सहित दो मंगलसूत्र, दो चैन और अन्य आभूषण थे। 12 हजार नगद भी थे। पुलिस इन आभूषणों का मूल्यांकन कर मामला दर्ज करेगी।

एसीसी की सुरक्षा प्रणाली पर उठे सवाल

एसीसी की एक सुरक्षित समझी जाने वाली कॉलोनी में हुई इस वारदात ने एसीसी की सुरक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिया है। जिस कालोनी में वारदात हुई वहां प्रवेश करने के दो गेट है जिसमें एक गेट पर सुरक्षा कर्मी की ड्यूटी रहती है जबकि दूसरे गेट से सुरक्षा हटा दी गई है। एक अवरोध वाला छोटा गेट था वह भी टूटा हुआ पाया गया। वारदात के समय कॉलोनी की स्ट्रीट लाइट भी ट्रिपिंग के कारण बंद हुई थी। और तो और इतनी बड़ी कालोनी में कहीं सी सी टी वी कैमरे भी नहीं लगाए गए।

बाहरी मजदूरों की कोई पड़ताल नहीं

बताया गया कि इन दिनों एसीसी प्लांट के भीतर नवीनीकरण के कुछ बड़े काम चल रहे। अमहटा प्रोजेक्ट का काम भी जारी है। ये सभी बड़े काम बाहरी ठेकेदार करा रहे जिनके पास सैकडों की संख्या में बाहर की लेबर है। अधिकांश बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के मजदूर हैं जिनके आवास की व्यवस्था कालोनी में ही की जाती है। बाहर के इन मजदूरों का कोई रिकार्ड न एसीसी के पास है ना ही पुलिस के पास।

पुलिस की सक्रियता से बदमाश बरही के बाहर नहीं ले जा सके चोरी की बुलेरो

बाणसागर डेम के किनारे लावारिस छोड़कर भागे

कटनी/बरही। बरही थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 से किराना दुकान के सामने से बीतीरात चोरी गई 9 लाख रूपए कीमती बुलेरो पिकअप जीप को पुलिस की सक्रियता के कारण बदमाश बरही क्षेत्र के बाहर नहीं ले जा सके और बाणसागर डेम के किनारे चोरी की गई बुलेरो जीप को लावारिस हालत में छोड़कर भाग गए। जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया है और अज्ञात चोरों के विरूद्ध मामला दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है। इस संबंध में बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची ने बताया कि बरही के वार्ड क्रमांक 9 निवासी किराना व्यापारी जीतेन्द्र कुमार पिता रमेश कुमार लालवानी की बुलेरो पिकअप जीप क्रमांक एम.पी.21जी-1499 को अज्ञात बदमाशों ने 2 व 3 सितंबर की दरम्यानीरात किराना दुकान के सामने से पार कर दिया था। बताया जाता है कि किराना व्यापारी से सुबह जैसे ही 9 लाख रूपए कीमती बुलेरो पिकअप जीप चोरी जाने की जानकारी लगी वैसे ही पुलिस हरकत में आई गई। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया के दिशा निर्देश व विजयराघवगढ़ एसडीओपी शिखा सोनी के मार्गदर्शन में बरही पुलिस की अलग-अलग टीमें बदमाशों की तलाश में जुट गईं। पुलिस की सक्रियता देख बदमाश भी चोरी की गई बुलेरो पिकअप जीप को बरही के बाहर नहीं ले जा सके और बाणसागर डेम के किनारे लावारिस हालत में छोड़ कर भाग गए। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। जीप को लावारिस हालत में बरामद करने के साथ ही पुलिस अज्ञात चोरों की पतासाजी में जुटी हुई है। उक्त कार्रवाई में बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची, उपनिरीक्षक सीताराम बागरी, सहायक उपनिरीक्षक महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक अरुण द्विवेदी व आरक्षक रोहित सिहं की भूमिका रही।

हरियाणा में मिला नाबालिग से दुष्कर्म का ईनामी आरोपी

रीठी पुलिस को मिली सफलता

कटनी/रीठी। रीठी थाना अंतर्गत एक नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देते हुए उससे दुष्कर्म करने के मामले में महीनों से फरार चल रहे 10 हजार रूपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिल गई है। गौरतलब है कि बीते जुलाई माह में पुलिस ने एक नाबालिग की शिकायत पर पड़ोसी जिला पन्ना के रैपुरा थाना अंतर्गत ग्राम नीमखेड़ा निवासी पंचम पिता डरे सिंह के विरूद्ध बलात्कार सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। अपने विरूद्ध मामला दर्ज होने की जानकारी लगने के बाद आरोपी पंचम सिंह फरार हो गया था तथा पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ रहा था। उधर पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रूपए का ईनाम भी घोषित किया था। बताया जाता है कि गतदिवस पुलिस को आरोपी के हरियाणा में होने की जानकारी लगी। जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देश व उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में रीठी पुलिस की एक टीम हरियाणा गई और 10 हजार के इनामी नाबालिग से बलात्कार के आरोपी पंचम सिंह को गिरफ्तार कर रीठी ले आई। आरोपी की गिरफ्तारी में रीठी थाना प्रभारी सतीश तिवारी, एएसआई श्याम नारायण सिंह, प्रधान आरक्षक भोले शंकर हल्दकार की भूमिका रही।

नए पुलिस कप्तान सुनील कुमार जैन ने संभाला पदभार

कम समय ही रह पाए मयंक अवस्थी

कटनी। मध्यप्रदेश पुलिस में शनिवार की देरशाम बड़ी सर्जरी हुई है। कई जिलों के आईजी, डीआइजी सहित पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। इसी फेरबदल में जहां जबलपुर संभाग के आईजी भगवत सिंह चौहान प्रभावित हुए तो वहीं जिले में कुछ माह पूर्व ही पदस्थ हुए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी अछूते नहीं रहे। श्री अवस्थी जनवरी माह में कटनी आये थे। मयंक अवस्थी अब सीएम शिवराज सिंह के जिले सीहोर में पुलिस कप्तान होंगे। श्री अवस्थी की जगह रेल पुलिस अधीक्षक जबलपुर सुनील कुमार जैन को कटनी का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। श्रीजैन आज रविवार की दोपहर या शाम तक जबलपुर से कटनी पहुंच कर अपना पदभार ग्रहण कर लेंगे। श्री जैन वर्ष 2009 बैच के आईपीएस राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। इसके पूर्व श्री जैन एसपी ईओडब्लू, अनूपपुर व अशोकनगर, सेनानी सागर, एडीशनल एसपी रायसेन, खरगोन तथा बुरहानपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

चोरी के मोटर पंप के साथ आरोपी गिरफ्तार

चंद घंटों में बरही पुलिस को मिली सफलता

कटनी। बरही थाना अंतर्गत ग्राम कनौर स्थित खेत से चोरी गए 20 हजार रूपए कीमती विद्युत मोटर पंप को मय आरोपी के बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है। बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची के मुताबिक ग्राम कनौर निवासी धनपत सिंह गोह के खेत स्थित कुएं में लगे 20 हजार रूपए कीमती विद्युत मोटर पंप को 1-2 की दरम्यानीरात अज्ञात बदमाशों ने पार कर दिया था। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरूद्ध मामला दर्ज करते हुए उनकी पतासाजी में जुटी हुई थी। जिसमें पुलिस को सफलता मिल गई और पुलिस ने विद्युत मोटर पंप चोरी करने के आरोप में बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम लुहरवारा निवासी 25 वर्षीय रवि पिता गोरेलाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से चोरी किया गया विद्युत मोटर पंप भी बरामद कर लिया। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया के दिशा निर्देश व विजयराघवगढ़ एसडीओपी शिखा सोनी के मार्गदर्शन में चोरी की वारदात का चंद घंटों के अंदर पर्दाफाश करने में बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची, सहायक उपनिरीक्षक महेश प्रताप सिंह व आरक्षक रोहित सिहं भूमिका रही।

PRE. REGISTRATION साईनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग/ श्री हास्पिटल
सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठ्यक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
एएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
जीएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	3 वर्ष	17 वर्ष-35 वर्ष
बीएससी (नर्सिंग)	12वीं पास (बायो.)	4 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
पोस्ट बेसिक बीएससी	जीएनएम पास	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (साइकेट्री)	बीएससी नर्सिंग पास	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (कम्युनिटी ऑफ नर्सिंग)		2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर

नोट:- एससी/एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें
इंडियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली म.प्र. नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त
श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

पोस्ट कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist
डॉ. स्मिता बजाज
MBBS, DTCD, CCEDM
टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबटीज स्पेशलिस्ट
मौसम बदलने पर बार-बार खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना
नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी टेस्टिंग) की सुविधा उपलब्ध है ।
संपर्क करे- डॉ. राजीव बजाज (शिशु रोग विशेषज्ञ)
कन्हैया हास्पिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी
फोन-07622-236253, मो. 6266203009

PRE. REGISTRATION
सांईनाथ इंस्टीट्यूशन/ श्री हास्पिटल
सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठ्यक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
डी.एल.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बी.ए.बी.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बीएससी बीएड	12वीं पास (विज्ञान/गणित)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर

एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली म.प्र. एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल
नोट:- एससी/एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें
श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

सिटी मॉल बरही रोड में
रोजाना 3 शो ता. 03 से दोपहर 12.30,3.30 एवं 6.30 बजे से
शानदार तीसरा सप्ताह

कलाकार- अक्षय कुमार, लारा दत्ता, वाणी कपूर, हुमा कुरैशी आदि।
BELL BOTTOM
नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

सिटी मॉल बरही रोड में

हालीवुड की सुपरहिट फिल्म
रोजाना 3 शो ता. 03 से दोपहर 1,4 एवं 7 बजे से
कलाकार- विन डीजल, जॉन सीना, माइकल रूकर, हेलेन मिरन आदि।
FAST & FURIOUS-9
(हिन्दी में)
नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी* । फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

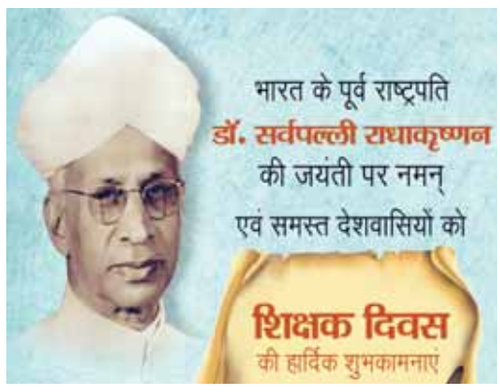

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिंन करें

WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक-213 ● कटनी ● ● रविवार, 5 सितम्बर, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष -14 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

सत्ता के लिए आपस में भिड़े तालिबानी

तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच गोलीबारी में मुल्ला बरादर घायल

काबुल। तालिबान ने बंदूक के दम पर अफगानिस्तान पर कब्जा तो कर लिया, लेकिन अब सरकार नहीं बना पा रहा है। ताजा खबर यह है कि सत्ता को लेकर अब वहां तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच संघर्ष शुरू हो गया है। अफगानिस्तान के अखबार पंजशीर ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों गुटों के बीच गोलीबारी होने लगी है। ऐसे ही एक घटनाक्रम में तालिबान का को-फाउंडर मुल्ला बरादर घायल हो गया है। हालांकि सत्ता के लिए खूनी संघर्ष की कहीं पुष्टि नहीं हुई है। बता दें, मुल्ला बरादर चाहता है कि वह सभी पक्षों को शामिल करते हुए सरकार का गठन करे, लेकिन हक्कानी नेटवर्क ऐसी किसी साझेदारी के खिलाफ है।सिराजुद्दीन के नेतृत्व में हक्कानी और उसके आतंकवादी समूह किसी के साथ सत्ता साझा नहीं करना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि हक्कानी को पाकिस्तान का मौन समर्थन हासिल है। हक्कानी इस्लामिक नियमों पर आधारित एक शुद्ध तालिबान सरकार के पक्ष में हैं। तालिबान और हक्कानी नेटवर्क की इसी खींचतान के कारण अफगानिस्तान में सरकार नहीं बन पा रहा है। तालिबान और मुल्ला बरादर के लिए मुश्किल है, क्योंकि दोहा में उन्होंने जिन देशों के साथ वार्ता की है, उनसे यही कहा है कि वे सभी पक्ष को मिलाकर सरकार बनाएंगे। तालिबान भले ही कह रहा हो कि वह ईरान की तर्ज पर शासन चलाएगा, लेकिन ईरान के राष्ट्रपति ने अपने ताजा बयान में तालिबान को तगड़ा झटका दिया है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने अफगानिस्तान में चुनाव का आह्वान किया है। रायसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अफगानिस्तान में शांति लौटेगी क्योंकि अमेरिकी सैनिक चले गए हैं और तालिबान ने नियंत्रण कर लिया है। अफगानिस्तान के लोगों को जल्द से जल्द अपनी सरकार निर्धारित करने के लिए मतदान करना चाहिए। वहां एक सरकार बनाई जानी चाहिए जो वोटों और लोगों की इच्छा से चुनी गई हो।

पंजशीर में संघर्ष, 600 तालिबानियों की मौत

तालिबान और अफगान प्रतिरोधी मोर्चे के बीच जारी संघर्ष में 600 से ज्यादा तालिबानी लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है। न्यूज एजेंसी स्पुतनिक के मुताबिक प्रतिरोधी मोर्चे के प्रवक्ता फहीम दश्ती ने ट्वीट किया है कि उनके लड़ाकों ने 600 से ज्यादा तालिबानी मार तो गिराए ही हैं। एक हजार से ज्यादा ने आत्मसमर्पण भी कर दिया है। यह लड़ाई शनिवार की बताई जा रही है। एक तरफ अफगान प्रतिरोधी मोर्चे ने 600 तालिबानियों को मार गिराने का दावा किया है तो दूसरी ओर तालिबान का कहना है कि उसने पंजशीर प्रांत के सात में से चार जिलों पर कब्जा जमा लिया है। अल जजीरा के मुताबिक, तालिबान के एक नेता का कहना है कि हमारी लड़ाई जारी थी और लड़ाके गवर्नर हाउस की ओर से बढ़ रहे थे, रास्ते में बारूदी सुरंगों के कारण लड़ाई धीमी पड़ी।

केरल में एक और खतरा निपाह

तिरूअनंतपुरम । केरल में एक ओर कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। वहीं, दूसरी ओर निपाह वायरस भी पैर पसार रहा है। कोझीकोड में आज तड़के निपाह वायरस से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। 3 सिंतबर को बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रही थी। शनिवार को बच्चे को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में दाखिल कराया गया। रविवार सुबह पांच बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया । वहीं, निपाह वायरस से बच्चे की मौत के बाद केंद्र की एक टीम कोझीकोड पहुंच गई है। पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने निपाह वायरस से बच्चे की मौत की पुष्टि की है। इंस्टीट्यूट ने बताया कि बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि 12 वर्षीय लड़के को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर एक मेडिकल कॉलेज लाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

केंद्रीय टीम संक्रमण के मामलों की करेगी तलाश

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह दल राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। केंद्र ने कुछ तात्कालिक लोक स्वास्थ्य कदम उठाने का परामर्श दिया है जिसमें पीड़ित लड़के के परिवार, अन्य परिवारों, गांव एवं आसपास की स्थिति वाले इलाकों खासकर मल्लापुरम में संक्रमण के मामलों की तलाश करेगी। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि बच्चे के अलावा परिवार के किसी सदस्यों में ऐसा लक्षण नहीं पाया गया है। फिलहाल सभी को क्वारंटाइन में रहने को कहा गया है। इसी सिलसिले में मैं और मंत्री पीए मोहम्मद रियास रविवार को कोझीकोड जा रहे हैं।

कृष्णा ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण, कलेक्टर सुहास ने रचा इतिहास

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। पुरुष सिंगल्स बैडमिंटन स्पर्धा एसएल-4 में उन्होंने रजत पदक जीतकर देश का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। फाइनल में उनका मुकाबला फ्रांस के खिलाड़ी लुकास माजुर के साथ था, जिसमें लुकास ने 2-1 से जीत हासिल की। सुहास की जीत से देश भर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। खासकर नोएडा के लोगों में विशेष प्रसन्नता देखी जा सकती है।

पैरालंपिक में पदक वर्षा

नई दिल्ली। भारत के कृष्णा नागर ने टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष सिंगल्स बैडमिंटन स्पर्धा एसएच-6 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में हांगकांग के खिलाड़ी काई मैन चु को 2-1 से शिकस्त दी। जयपुर के 22 साल के नागर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-17 16-21 21-17 से शिकस्त दी। इस तरह यह दूसरा वरीय खिलाड़ी बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने की सूची में हमवतन प्रमोद भगत के साथ शामिल हो गया। भगत ने शनिवार को एसएल3 क्लास में पहला स्वर्ण पदक जीता था।

कृष्णा नागर भारत को पांचवां स्वर्ण पदक जिताने में सफल रहे। इसके साथ ही टोक्यो पैरालंपिक में भारत के कुल पदकों की संख्या 19 हो गई। कृष्णा नागर की जीत पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर बधाई दी है। राष्ट्रपति ने लिखा है कि कृष्णा नागर का ऐतिहासिक प्रदर्शन। आपने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी योग्यता को साबित किया और पैरालंपिक में तिरंगे का मान बढ़ाया है। लाखों भारतीयों के लिए आप प्रेरणा हैं, जीत की बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कृष्णा नागर की जीत पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है- टोक्यो पैरालंपिक में बैडमिंडन खिलाड़ियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन देखकर खुश हूं। करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर खुशी लाने के लिए यह असाधारण कदम है। स्वर्ण पदक जीतने के लिए आपको बधाई।

मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत, जुटे हजारों टिकैत बोले-भाजपा नहीं मोदी सरकार का विरोध

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत का आयोजन हो रहा है। हजारों की संख्या में किसान पहुंच चुके हैं। बड़ी तादाद में महिलाएं भी पहुंची हैं। उनकी मांग है कि केंद्र सरकार को तीनों काले कृषि कानून वापस लेना चाहिए। इससे पहले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा है कि यह महापंचायत ऐतिहासिक होगी। महापंचायत में शामिल होने के लिए आने वाले किसानों के स्वागत में 600 लंगर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही 20 से 25 मेडिकल कैंप भी लगाए गए हैं। किसान पिछले 9 महीनों से दिल्ली की सीमा पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकैत ने शनिवार को अपने ट्विटर अकाउंट से इसकी जानकारी देते हुए एक ट्वीट किया था और ज्यादा से ज्यादा लोगों से किसान महापंचायत में शामिल होने की अपील की थी। टिकैत ने लिखा था मुजफ्फरनगर में 5 सितंबर की किसान महापंचायत ऐतिहासिक होगी ।टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बल्कि मोदी सरकार कहा जाए तो बेहतर होगा। इस सरकार ने जो तीन तीन कृषि कानून बनाए हैं वो किसानों के हित में नहीं है।

पाक के झंडे में लपेटा गया था गिलानी का शव, जांच शुरू

श्रीनगर। कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैय्यद अली शाह गिलानी की मौत के बाद उनके शव को पाकिस्तानी झंडे में लपेटने और राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के आरोप में बडगाम पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच बडगाम जिले के नरकारा में पथराव की छिटपुट घटना को छोड़कर पूरी घाटी में शांति रही। दर्जनभर से अधिक अवांछनीय तत्वों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम को घेरकर तलवार से हमला

पटना । बिहार के वैशाली जिले में उपद्रियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। टीम को घेरकर लाठी-डंडे और तलवार से हमला किया गया, जिसमें एसएचओ समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है शनिवार देर रात महुआ थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में पुलिस टीम मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची थी, उसी समय गांव में पुलिस वालों को घेर लिया गया।

बताया जा रहा है कि मिल्की गांव में मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए महुआ एसएचओ कृष्णानंद झा के नेतृत्व में दो पुलिस थाने की टीम गई हुई थी। इस दौरान ही उपद्रियों ने टीम को चारों ओर से घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम पर हमले की सूचना के बाद महुआ डीएसपी पूनम केसरी भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंच गईं और आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया। गांव में चारों ओर से घिरे पुलिस बल ने हिम्मत नहीं हारी। जानकारी के मुताबिक हमले में कई पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। इसके बाद भी वे उप्रदियों से मुकाबला करते हुए मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार कर अपने साथ ले आए। पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपी भी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। हालांकि, कितने लोगों की गिरफ्तारी हुई है, इसकी जानकारी पुलिस की ओर से नहीं दी गई है।

क्रिक अपडेट

चिकित्सा के पितामह कहे जाने वाले डॉ एनपी मिश्रा का निधन

भोपाल। राजधानी में स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के पूर्व डीन और मेडिसिन के जाने-माने विशेषज्ञ डॉक्टर एनपी मिश्रा का रविवार सुबह सिविल लाइन स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। पिछले दिनों जीभ में कैंसर की वजह से उनकी सर्जरी की गई थी, तबसे वह अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से पूरे चिकित्सा क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

लक्ष्मण सिंह बोले- कलेक्टर की औकात ही क्या जो हमें..

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई और चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने कलेक्टर को लेकर विवादित बयान दिया है। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि कलेक्टर की औकात क्या है? तुम्हारे जैसे कई कलेक्टर आए और चले गए और कई आएंगे। महंगाई के खिलाफ पदयात्रा निकालने की अनुमति नहीं देने पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कलेक्टर पर निशाना साधा। शनिवार को महंगाई के मुद्दे पर मधुसूदनगढ़ में निकाली गई पदयात्रा को लिखित अनुमति न देने पर वह भड़क गए। गौरतलब है कि शनिवार को चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह की अगुआई में महंगाई के खिलाफ 15 किमी की पदयात्रा निकाली गई थी। मधुसूदनगढ़ इलाके के उकावद गांव के ढोका मंदिर से यह यात्रा शुरू हुई और यहीं पर समापन किया गया।

मंडला जिले के युवा शिक्षक शक्ति पटेल को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

मंडला। मंडला जिले के मांद हाईस्कूल के शिक्षक शक्ति पटेल को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार मिल गया है। पटेल ने यह पुरस्कार वर्चुअल ग्रहण किया। शक्ति दो दिन पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। बता दें कि शक्ति पटेल को यह पुरस्कार मात्र 32 वर्ष की उम्र में मिला है। कोरोनाकाल में स्कूल बंद होने के बाद शिक्षक शक्ति पटेल ने आनलाइन माध्यम से तो सीधे तौर पर बच्चों को पढ़ाया। युवा शिक्षक को सम्मान मिलने पर अन्य साथी शिक्षकों के लिए भी यह प्रेरणा का काम करेगा। दरअसल यह पुरस्कार इसलिए भी खास है क्योंकि देशभर के शिक्षकों के साथ मिलने जा रहे इस पुरस्कार में मप्र से वे एकमात्र शिक्षक है। जिनका चयन पुरस्कार के लिए हुआ था।

पिता की प्रेरणा से भरा था फार्म

मंडला जिले के बिछिया तहसील के हाईस्कूल मांद गांव में माध्यमिक शिक्षक शक्ति पटेल हिंदी विषय पढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए आवेदन करने उनके पिता ने ही उन्हें मोटीवेट किया। पहले ही प्रयास में राष्ट्रपति पुरस्कार मिल गया। सहसा विश्वास नहीं होता। मैने फार्म भरते समय भी यह नहीं सोचा था। मुझे लगता था, मेरे से सीनियर काफी लोग हैं, जो पुरस्कार के काबिल हैं। मै तो राज्यस्तर के पुरस्कार तक ही अपने आप को मान रखा था। पर अब मुझे लग रहा है कि मैने जो किया है। उसकी उपलब्धि की वजह से ही मुझे पुरस्कृत किया जा रहा है।

कोरोना के वक्त वीडियो यू ट्यूब में डाला था

जिन वजहों से शिक्षक शक्ति पटेल को चयनित किया गया। उसके बारे में उन्होंने बताया कि कोरोना काल जब चल रहा था। स्कूल में बच्चे पढ़ने नहीं जा रहे थे। ऐसे समय में बच्चों की पढ़ाई के प्रति रूचि कम हो रही थी। उस वक्त मैने बच्चों की पढ़ाई के लिए करीब 125 से अधिक एजूकेशनल वीडियो 9वीं व 10वीं के यूट्यूब में अपलोड किए। बच्चों को पढ़ाई के लिए मोटीवेट किया। कोरोना काल में पढ़ाई ऑनलाइन पढ़ाई हो रही थी। गांव में स्मार्ट फोन नहीं थे। तो अनेक बच्चों को स्टडी मटेरियल निः शुल्क उपलब्ध कराया

10 साल के बालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर। सरकंडा की चांटीडीह सब्जी मंडी में 10 साल के बालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान कर स्वजन को सूचना दी है। उनके आने पर आत्महत्या का कारण स्पष्ट होगा। सरकंडा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि चांटीडीह सब्जी मंडी के पास करबला कुम्हारपारा निवासी 10 वर्षीय गोपाल का शव फांसी के फंदे पर झूल रहा था। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। इस पर पुलिस की टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट को मौके पर बुलाया गया है। मृतक के स्वजन को इसकी सूचना दी गई है। उनके आने पर शव फंदे से उतारा जाएगा। स्वजन से पूछताछ में घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

महीनों दुष्कर्म फिर गौमांस खिला धर्म परिवर्तन की कोशिश

बिहार के सुपौल में महिला का अपहरण कर महीनों दुष्कर्म करने और गोमांस खिलाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। भीमपुर थाना क्षेत्र की एक महिला का अपहरण कर युवक ने महीनों तक यौन शोषण किया। इस दौरान महिला को गोमांस मांस खिलाकर जबरन धर्म परिवर्तन करने का दबाव भी बनाया गया और मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। दरअसल, भीमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 30 जून की शाम एक महिला अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान कलीम नाम के एक युवक ने उसे पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिया

1962 में ऐसे हुई थी शिक्षक दिवस की शुरुआत

मुंबई । भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1962 में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई थी। यह शिक्षकों और मार्गदर्शकों का त्योहार है। भारत के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षकों के लिए समर्पित किया गया है। इस दिन, शिक्षक और छात्र शैक्षणिक संस्थानों में उत्सव, धन्यवाद और स्मरण की गतिविधियों में शामिल होने के लिए इकट्ठा होते हैं। कुछ स्कूलों में, वरिष्ठ छात्र शिक्षकों की भूमिका निभाते हैं और छोटे छात्रों को शिक्षकों के लिए प्रशंसा और सम्मान के प्रतीक के रूप में पढ़ाते हैं।सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म सर्वपल्ली वीरस्वामी और सर्वपल्ली सीता के यहां एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण हिंदू परिवार में हुआ था। उस समय उनका घर मद्रास प्रेसीडेंसी के तिरुत्तानी में था। राधाकृष्णन ने भारत के पहले उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वो धर्म और दर्शन के भारत के सबसे प्रतिष्ठित विद्वानों में से एक थे। उनका मानना था कि देश के सबसे अच्छे लोगों को शिक्षण का कार्य करना चाहिए। अपने पूरे शैक्षणिक और राजनीतिक जीवन के दौरान, उन्होंने कई पुरस्कार प्राप्त किए, जिसमें 1931 में नाइटहुड, 1954 में भारत रत्न और 1963 में ब्रिटिश रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की मानद सदस्यता शामिल है। डॉ. राधाकृष्णन भारत में बुजुर्गों के लिए बनाए गए हेल्पेज इंडिया के संस्थापकों में से एक थे। जब वे भारत के राष्ट्रपति बने, तो उनके कुछ छात्रों ने उनसे 5 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाने की अनुमति देने का अनुरोध किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मेरा जन्मदिन मनाने के बजाय, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। यह मेरे लिए गर्व की बात होगी कि। इसी के बाद से उनके जन्मदिन को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट तीन सुरक्षाकर्मियों की गई जान

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा रविवार सुबह-सुबह एक बम धमाके से दहल उठी। धमाके में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की पुष्टि क्वेटा पुलिस ने की है।अभी तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अधिकारी इसे आत्मघाती हमला मान रहे हैं। अधिकारी की मानें तो इस हमले में किसी बड़े आतंकी संगठन का हाथ हो सकता है। हालांकि, बम निरोधक दस्ता मौके पर है जांच में जुटा हुआ है। पुलिस ने बताया है कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

दूटी पटरी से गुजरी गोंडवाना एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची

युवक ने शर्ट लहराई, तब पायलट ने धीमी की ट्रेन, तब तक 10 डिब्बे निकल गए टूटी पटरी से

घटना की रेलवे अधिकारी करा रहे जांच

कटनी। कटनी-जबलपुर रेलखंड के सिहोरा और गोसलपुर रेलवे स्टेशन के बीच कल शनिवार की सुबह 100 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ रही गोंडवाना एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। कटनी-मुड़वारा स्टेशन से जबलपुर के लिए रवाना होने के बाद जब गोंडवाना एक्सप्रेस सिहोरा के आगे गोसलपुर से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी, उस समय रेलट्रैक में पटरी टूटी हुई थी। यह तो गनीमत रही कि उस समय वहां से गुजर रहे एक युवक ने अपनी टी शर्ट उतारकर ट्रेन रोकने का इशारा कर पटरी की तरफ उंगली दिखाने लगा। लोको पायलट को तुरंत खतरे का आभास हुआ और उसने ट्रेन धीमी कर दी, तब तक ट्रेन पटरी से निकल चुकी थी, लेकिन रफ्तार कम होने की वजह से बड़ा हादसा होने से बच गया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर रेलवे द्वारा अब तक जांच के आदेश नहीं दिए गए हैं। बताया जाता है कि रोजाना की तरह गाड़ी संख्या 02181 हजरत निजामुद्दीन जबलपुर

गोंडवाना एक्सप्रेस कटनी मुड़वारा स्टेशन से अपने निर्धारित समय पर रवाना हुई थी और सिहोरा से रवाना होने के बाद फुल स्पीड में अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी। बताया जाता है कि सिहोरा से गोसलपुर के बीच रेलवे पटरी टूटी हुई थी। रेलवे ट्रैक के किनारे से गुजर रहे एक राहगीर वासुदेव टूटी पटरी पर पड़ी, उसने आनन फानन अपनी गुलाबी टी शर्ट से ट्रेन को रोकने का प्रयास शुरू किया। गोंडवाना एक्सप्रेस लोको पायलट ने स्थिति को समझते हुए बड़ी ही समझदारी से ट्रेन की गति को धीमा करते हुए ट्रेन को रोकने की कोशिश की लेकिन जब तक ट्रेन रुकती, तब तक उस ट्रेक से 10 बोगियां निकल चुकी थीं। यह तो गनीमत रही कि ट्रेन की रफ्तार में कुछ दूर पहले से ही नियंत्रण करने के कारण सही सलामत बोगियां पटरी से निकल पाईं। सूचना मिलते ही आनन-फानन में सभी अधिकारी अलर्ट हुए और सिहोरा का अमला मौके पर पहुंचा और सुधार कार्य शुरू किया। एक घंटे तक चले सुधार कार्य के बाद ट्रेन वापस उस पटरी से चलने लगी।

सिहोरा स्टेशन पर रोका ट्रेनों को

इस हादसे की जानकारी जैसे ही कंट्रोल रूम द्वारा सिहोरा, कटनी, मैहर और सतना स्टेशन को दी गई, सभी अलर्ट हो गए और इन स्टेशनों से जबलपुर पहुंचने वाली ट्रेनों को रोक दिया गया, जिसके चलते ट्रैक पर जहां-तहां ट्रेनें खड़ी हो गईं। बताया जाता है कि इस घटना के कारण सुबह 07:30 बजे जबलपुर पहुंचने वाली गोंडवाना एक्सप्रेस 1 घंटे देरी से चलकर जबलपुर पहुंची तो वहीं सुबह 07:25 पर जबलपुर पहुंचने वाली संघमित्रा व 07:55 बजे जबलपुर आने वाली महाकौशल एक्सप्रेस देर से 2 घंटे देरी से चलकर मुख्य स्टेशन पर पहुंच पहुंच पाई।

एक घंटे में किया गया सुधार कार्य

मामले की सूचना मिलते ही सिहोरा रेलवे के कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और पटरियों की मरम्मत कार्य शुरू किया। जो एक घंटे में पूरा हो गया। इसके बाद अच्छे तरीके से जांच की गई और फिर अधिकारियों के संतुष्ट होने पर इस ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू की गई। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल जयपुरीयार ने बताया कि ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के बारे में जानकारी मिली जिसके बाद तत्काल ही मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। उसमें रिस्पांस टाइम बहुत अच्छा था और एक घंटे के अंदर ही ट्रैक को वापस पूरी तरीके से सुधार कर दिया। ट्रैक मामूली क्षतिग्रस्त हुआ था। पूरी तरीके से टूटा नहीं था। ऐसा क्यों हुआ इसकी भी जांच की जा रही है।

सागर में पूनम की हत्या से केसरवानी समाज में रोष

नगर केशरवानी वैश्य समाज ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर की आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

कटनी। केशरवानी समाज की बेटी पूनम केशरवानी की हत्या से कटनी में भी केसरवानी समाज में रोष व्याप्त हो गया है। आरोपियों की गिरतारी की मांग को लेकर केसरवानी समाज के लोगों ने कोतवाली प्रभारी

को एक ज्ञापन सौंपा है। एस पी के नाम सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि पगारा रोड शास्त्री वार्ड सागर निवासी कुमारी पूनम केशरवानी पिता मनीष केशरवानी की रोहित राजपूत ने गोली मारकर हत्या कर दी। जिसमें आरोपी की मां एवं बहन ने इस हत्या में पूरा सहयोग किया। पूनम को गोली मारकर पूनम के भाई अभिषेक को सिर में पिस्टल की बट मारकर गिरा दिया एवं मां को सिर में पत्थर मारकर घायल किया गया है। आरोपी एवं हत्या में सहयोग करने वालों को 48 घंटे के अंदर गिर तारी नहीं होने पर नगर केशरवानी वैश्य समाज ने पूरे मप्र में आंदोलन करने की बात कही है। ज्ञापन सौंपते समय केशरवानी समाज के विपिन केशरवानी, मोहन लाल केशरवानी, जगदीश, मनीष, राजेश, अलकेश, अतुल केशरवानी एवं सोनल गुप्ता उपस्थित रहे।

पोषण सप्ताह : टमाटर, आलू, प्याज, धनिया के पौधे रोपे

कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी के तत्वाधान में ईको क्लब एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डा. आर. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में पोषण युक्त पौधों जैसे टमाटर, आलू, प्याज, धनिया जैसे पौधे वाटिका में रोपे गये। इस सुअवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. पुष्पा कुशरे ने वाटिका में रोपे गये पौधों का पोषण महत्व बताया गया। श्रीमती नेहा चौधरी सहायक प्राध्यापक, गृहविज्ञान के इन पौधों में उपस्थित पोषक तत्वों की जानकारी विस्तृत रूप से दी गई। ईको क्लब प्रभारी डा. प्रज्ञा अग्रवाल ने बताया कि पोषण वाटिका हर घर में लगाना जरूरी है। इसकी सहायता से हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इस कार्य को सफल बनाने में डा. रश्मि चतुर्वेदी, डा. वीणा सिंग, डा. किरण खरादी, श्रीमती श्वेता जायसवाल, सुश्री आरती वर्मा, सुश्री सोनिया कश्यप, श्रीमती निगम, सुश्री प्रीति तिवारी, श्रीमती संध्या सिंग, श्रीमती मोहिनी आदि की सक्रिय भूमिका रही है।

निजीकरण के खिलाफ रेल कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

सरकार के अड़ियल रवैये के खिलाफ किया प्रदर्शन

कटनी। रेलवे के किए जा रहे निजीकरण के खिलाफ रेल कर्मचारियों ने नारेबाजी और प्रदर्शन किया। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ (डब्ल्यूसीआरएमएस) के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा रेलवे के निजीकरण का जो निर्णय लिया गया है, उससे रेल कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात हो रहा है।

बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षण इस ओर कराया जा रहा है लेकिन सरकार अड़ियल रवैया अपना रही है। प्रदर्शन कर रहे वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष एस एन शुक्ला ने बताया कि यदि जल्द ही सरकार निजीकरण के मुद्दे पर न्याय संगत कोई रास्ता नहीं निकालती है तो मजदूर संघ एवं रेल कर्मचारी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। प्रदर्शन एवं नारेबाजी में डब्ल्यूसीआरएमएस के मंडल सचिव डी पी अग्रवाल, सीटीआई के सी रजक, अशोक पाठक, संतोष यादव, कमालुद्दीन, एन के यादव, अनूप त्रिपाठी, एजाज खान, ओ पी चौकसे, रमेश यादव, रवि कुमार, हिमांशु, शुभम प्रजापति, सपन सकतेल, अशोक यादव, शीतल प्रसाद, सरोज, सचिन, जे पी यादव, अफसर हुसैन, संजय पांडे, सचिन सिंह, बृजेश यादव सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मियों की उपस्थिति रही।

भविष्य के लिए शुभ संकेत, ग्रहों की राशि परिवर्तन से व्यापार में आएगा बूम

सितम्बर में 5 ग्रहों के गोचर से बनेंगे शुभ योग

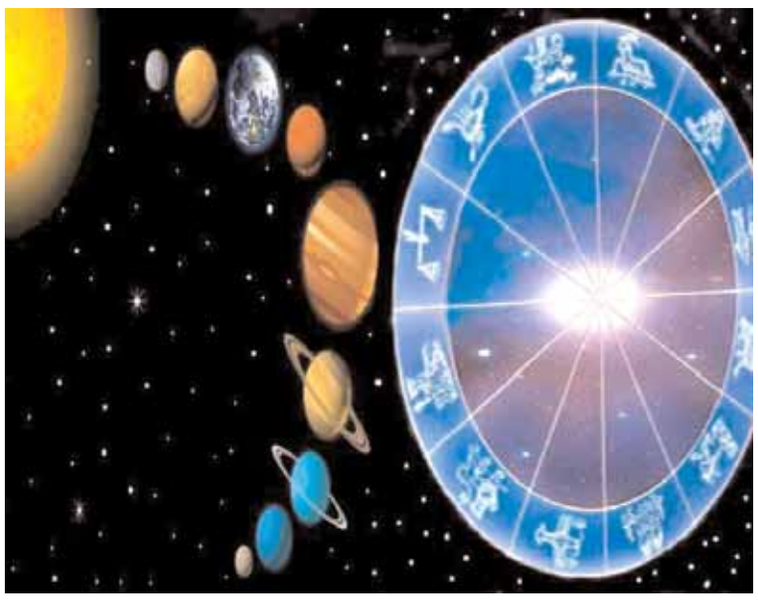

कटनी। सितम्बर का महीना कई राशियों के जातकों के लिए खुशियां लेकर आया है। इस महीने कई ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक सितंबर में 5 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। इन ग्रहों में बुध, गुरु, सूर्य, मंगल और शुक्र ग्रह शामिल हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार ग्रहों के इस गोचर का प्रभाव व्यापार में तेजी के रूप में नजर आएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित सुनील शास्त्री ने बताया कि 6 सितम्बर को शुक्र और मंगल ग्रह अपनी राशियां बदलेंगे। एक ओर शुक्र जहां तुला राशि में प्रवेश करेगा, तो वहीं मंगल कन्या राशि में डेरा डालेगा। 14 सितंबर को गुरु का गोचर होगा, जो कि एक महत्वपूर्ण ग्रह परिवर्तन है। देवगुरु बृहस्पति इस दिन मकर राशि में आएंगे। 17 सितंबर को सूर्य देव कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। 22 सितंबर को बुध देव तुला राशि में प्रवेश करेंगे, जहां ये शुक्र ग्रह के साथ युति करेंगे। पंडित शास्त्री के अनुसार ग्रहों का यह गोचर कुछ राशियों के लिए विशेष किन्तु सभी राशियों के लिए शुभफलदायक होगा।

बृहस्पति, सूर्य भी करेंगे गोचर

14 सितंबर को बृहस्पति देव धनु से शनि देव की राशि मकर में गोचर करेंगे और इस राशि में ये 21 नवंबर तक स्थित रहेंगे। गुरु के मकर राशि में आने से सभी राशियों पर इस परिवर्तन का शुभ.अशुभ प्रभाव पड़ेगा। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, भाग्य, विवाह, वृद्धि, गुरु, संतान आदि का कारक माना जाता है। 17 सितंबर को सूर्य देव अपनी स्वराशि सिंह से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे और इस राशि में 17 अक्टूबर तक रहेंगे और फिर कन्या राशि में चले जाएंगे। सूर्य ग्रह को सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। 22 सितंबर को बुध देव कन्या राशि से तुला राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध 2 अक्टूबर तक रहेंगे। बुध के सिंह राशि में गोचर से सभी राशियों पर शुभ.अशुभ प्रभाव पड़ेगा।

कल होगा दो ग्रहों में बदलाव

पंडित सुनील शास्त्री ने बताया कि 6 सितंबर को शुक्र देव कन्या राशि से निकलकर स्वराशि तुला में प्रवेश करेंगे। शुक्र इस राशि में 2 अक्टुबर तक रहेंगे। इसके बाद ये वृश्चिक राशि में चले जाएंगे। शुक्र देव को संसार के भौतिक सुखों का कारक माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी हैं। 6 सितंबर को ही मंगल ग्रह भी सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे और इस राशि में 22 अक्टूबर तक स्थित रहेंगे। इस राशि में मंगल देव के आने से जहां कुछ राशियों को फायदा होगा तो वहीं कुछ राशियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ सकता है। मंगल ग्रह को क्रोध, युद्ध, पराक्रम, साहस, सैन्य शक्ति, भूमि, रक्त आदि का कारक माना जाता है। ये मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी है।

वसुधा में बच्चों ने की ट्रेकिंग, वॉटर फॉल का उठाया लुत्फ

यूथ हॉस्टल्स कटनी का ट्रेकिंग अभियान

कटनी। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन जिला इकाई का पर्यावरण जन जागरण हेतु एक दिवसीय ट्रेकिंग अभियान आयोजित किया गया। जिला वन मंडल अधिकारी आर. सी. विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला इकाई चेयरमैन गोपाल शर्मा के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में 220 प्रतिभागी शामिल हुए। रीठी वन क्षेत्र के जंगल के अंदर स्थित वसुधा गैर वॉटर फॉल काफी मुश्किल एवं विविधताओं से भरा अभियान माना जाता है। इस अभियान के लिए मौसम अनुकूल न होते हुए भी इसे पूरा करने के लिए जोश, जुनून एवं जिद का अनोखा संगम प्रतिभागियो ने दिखाया। ट्रेकिंग अभियान में शामिल विभिन्न क्षेत्रों के अच्छे लोगों से मिलकर युवाओं को बहुत कुछ नया सीखने मिला। अभियान के माध्यम से बच्चों में साहस के साथ पर्यावरण के प्रति प्रेम का भाव भी जागृत किया गया। अभियान का नेतृत्व इकाई उपाध्यक्ष द्वय श्रीराम कुदरहा एवं अमित सिंघई द्वारा किया गया। इसे सफल बनाने में सुशील कुशवाहा, रानू जैन, अंकित जैन, सचिन सिंघई, राजू साहू, मनीष जैन, रविन्द्र कुदरहा, विपुल खण्डेलवाल, मयंक जैन, अनुपम जैन का सराहनीय योगदान रहा, जो इतने ज्यादा संस्था में शामिल प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दे रहे थे। महिला प्रतिभागियों को अकांक्षा जैन, सोनिया सिंघई, रूचिता जैन, दीप्ति एवं सोनल जैन का साथ मिल रहा था। प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए तैनात बिलहरी परिक्षेत्र से विनोद प्यासी, सलैया परिक्षेत्र से महंत सिंह परिहार एवं रीठी कटनी से बीट इंचार्ज सुंधाशु त्रिपाठी एवं वन रक्षा समिति के केशरी सिंह, पर्वत सिंह, कमलेश सिंह, अनिल सिंह ट्रेकिंग के दौरान वन्य क्षेत्र की विविधता के बारे में सभी को जानकारी देते चल रहे थे। बरसात स्पेशल ट्रेक के प्रारंभ के पूर्व टेउकिंग के दौरान आवश्यक सावधानियों के बारे में वन मंडल अधिकारियों एवं अभियान प्रभारी श्रीराम कुदरहा, अमित सिंघई व सुशील कुशवाहा द्वारा जानकारी दी गई। आकस्मिक दुर्घटनाओं से निपटने के लिए चिकित्सीय सुविधाओं का दायित्व पवन दुबे निभा रहे थे।

स्वीमिंग का उठाया लुत्फ

अत्याधिक गर्मी होने के कारण सभी ने पानी के अंदर खूब धमा चौकड़ी मचाई। इसके उपरांत सभी ने दोपहर में एक साथ भोजन किया। अभियान पूरा करने में सभी प्रतिभागियों को यूथ हॉस्टल्स द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। बच्चों एवं टीचर्स ने अपने अनुभव शेयर किये। अभियान प्रारंभ के पूर्व सभी को बांधा इमलाज स्थित भगवान मुरली मनोहर के दर्शन करा अभियान की सफलता के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इकाई अध्यक्ष पंचम जैन, चेयरमैन गोपाल शर्मा, सचिव वीरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र बहरे, शैलेन्द्र जैन, प्रकाश जायसवाल ने सभी प्रतिभागियों को अभियान सफलता पूर्वक पूरा करने पर बधाई दी है और कहा कि जिले के बच्चों के लिए इस प्रकार के प्रयास लगातार आवश्यक है। इकाई द्वारा गरीब आदिवासी बच्चों को वस्त्र, चप्पल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

आरा-मशीनों के लायसेंस 5 साल में होंगे नवीनीकरण

कटनी। प्रदेश में स्थापित आरा-मशीनों के लिये अब 5 साल की अवधि में लायसेंस नवीनीकरण कराये जाने का प्रावधान कर दिया गया है। अभी तक 3 साल में नवीनीकरण कराया जाना अनिवार्य था। राज्य शासन के वन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान विनियमन नियम-1984 में यह संशोधन किया गया है। लायसेंस नवीनीकरण के लिये 2,500 रुपये आवेदन शुल्क निर्धारित है।

गुरूद्वारा में रक्तदान शिविर 7 को

कटनी। टीम देग तेग फतेह द्वारा 7 सितंबर मंगलवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा बरही रोड कटनी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। एड. मौसूफ बिट्टू ने बताया कि युवाओं की यह संस्था समाजसेवा में गरीबों की सेवा, शव वाहन सेवा, प्रतिदिन भंडारा सेवा, नाश्ता सेवा, चाय सेवा इत्यादि कार्य कर रही है। आयोजन समिति ने सभी से रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

बहोरीबंद में एक सैकड़ा शिक्षकों का सम्मान

कटनी।

भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं राष्ट्रभक्त पीढ़ी के सृजन में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करते हुए सेवानिवृश्र शिक्षकों का सम्मान आज बहोरीबंद में म. प्र. शिक्षक कांग्रेस के तत्वाधान में किया जायेगा। संगठन के ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र दुबे ने बताया कि बहोरीबंद परिक्षेत्र में निवासरत लगभग 100 से अधिक शिक्षकों का संगठन के द्वारा शाल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र एवं जीवनोपयोगी ग्रंथ भेंटकर सम्मान किया जायेगा। उक्त आयोजन में आयोजित प्रबुद्ध जनों के द्वारा शिक्षा, समाज, शिष्य एवं शिक्षक पर सारगर्भित व्याख्यान होंगे। समारोह में पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा, रामनरेश त्रिपाठी, निर्मल अग्रवाल, नवनीत चतुर्वेदी, प्रेम नारायण तिवारी, रामनिधि मिश्रा, सी. बी. दुबे आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।